चुरू कलेक्टर का स्वागत

कोलकाता, 31 दिसंबर। प्रवासी राजस्थानियों को व्यक्तिगत स्तर पर जिले के संपूर्ण विकास हेतु सहयोग का कदम उठाना चाहिए। ये उद्‌गार राजस्थान के चुरू जिले के जिलाधीश श्री वेंकटेश्वरन ने स्थानीय बच्छावत हाउस में आयोजित अपने स्वागत समारोह एवं मिलन गोष्ठी में व्यक्त किए। विक्टोरिया टैरेस स्थित स्वर्गीय झूमरमल बच्छावत के निवास-स्थान पर प्रातः काल आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता कोलकाता के पूर्व शेरीफ डॉ. एस. के. शर्मा ने की। राजस्थान फाउण्डेशन, कोलकाता के मानद् सचिव संदीप भूतोड़िया ने श्री वेंकटेश्वरन का परिचय देते हुए उनके कार्यकाल में चुरू जिले में उनके द्वारा किए गये कार्यों एवं लोक हितकारी योजनाओं का विवरण दिया। संयोजक श्री तिलोकचंद डागा ने, झूमरमल बच्छावत के चुरू जिले के योगदान पर प्रकाश डाला। उक्त गोष्ठी में चुरू जिले के विभिन्न कस्बों के प्रतिनिधियों द्वारा जिलाधीश महोदय का माल्यदान कर स्वागत किया गया। सरदारशहर से रतन दूगड़, रतनगढ़ के बुद्धमल दूगड़, सुजानगढ़ से निर्मल भूतोड़िया, चाड़वास से सुरेंद्र चोरड़ीया, सादुलपुर-राजगढ़ से बेगराज श्यामसुखा, बीदासर से मोहनलाल नाहटा, राजलदेसर से प्रदीप कुण्डलिया के अलावा अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन से दीपचंद नाहटा, मित परिषद से धर्मचंद राखेया, दिगम्बर जैन सभा से हजारीमल सरावगी ने माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उद्योगपति श्री हरकचंद कांकरिया, श्रीचंद नाहटा, चुरू के सुप्रसिद्ध भरतिया परिवार के श्री चीयूष भरतिया, रतनलाल रामपुरिया आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बच्छावत परिवार की तरफ से राजेंद्र बच्छावत ने जरी की पगड़ी व दुपट्टा पहनाकर तथा सुरेंद्र बच्छावत ने माला-

स्व. झूमरमल बच्छावत के निवास स्थान पर चुरू जिलाधीश आर. वेंकटेश्वर के सम्मानार्थ आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए राजस्थान फाउण्डेशन, कोलकाता के सचिव संदीप भूतोड़िया, मंचासीन बायें से संयोजक तिलोकचन्द्र डागा, डा. एस. के. शर्मा, चैनरूप बच्छावत एवं राजेंद्र बच्छावत।

फोटो : छपते छपते

श्रीफल देकर वेंकटेश्वरन का अभिनंदन किया। धन्यवाद ज्ञापन की रस्म रवींद्र बच्छावत ने अदा की। मिलन गोष्ठी को सफल बनाने में चैनरूप बच्छावत व नरेंद्र बच्छावत का सक्रिय सहयोग रहा। चुरू जिले के अल्प बचत अधिकारी श्री भागीरथ शर्मा का भी माल्यार्पण कर जतनलाल बरड़िया ने स्वागत किया।

छपते छपते ,1, जनवरी,2004

कोलकाता में गायत्री परिवार द्वारा 108 कुंडीय महायज्ञ के शुभारंभ के मौके पर कलशयात्रा.

गायत्री परिवार की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते युवा समाजसेवी संदीप भूतोड़िया.

गायत्री परिवार ने 1008 मंगल कलशों की शोभा यात्रा निकाली

कोलकाता, 1 जनवरी : नववर्ष की पावन बेला में बंगभूमि के उज्ज्वल भविष्य एवं वैदिक संस्कृति के प्रवर्तन के लिए 108 कुंडीय महायज्ञ का शुभारंभ मंगल कलश की शोभा यात्रा के साथ हुआ. गायत्री चेतना केंद्र की स्थापना के अवसर पर आयोजित महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव के उपलक्ष्य में आज 1008 मंगल कलशों की शोभायात्रा निकाली गयी. यह यात्रा कालीघाट से शुरू होकर यज्ञ स्थल तक पहुंची. शोभायात्रा में 2000 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया. ये महिलाएं माथे पर कलश लिये चुनरी साड़ी में जब सड़क पर निकलीं तो रास्ते पर देखने वालों की अच्छी खासी भीड़ थी. इस यात्रा में हुगली, हावड़ा, बांकुड़ा, बर्दवान, दक्षिण व उत्तर 24 परगना सहित कोलकाता से भारी संख्या में आये परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया. श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने आध्यात्मिक रूप से ही नववर्ष का स्वागत किया. आज शाम को गायत्री परिवार के प्रदर्शनी केंद्र का उद्घाटन युवा समाजसेवी संदीप भूतोड़िया ने किया. इस अवसर पर प्रोफेसर कल्याणमल लोढ़ा भी उपस्थित रहे. इस केंद्र में गायत्री परिवार के उल्लेखनीय कार्यों, सेवाओं के बहुत सारे चित्र लगाये गये हैं. प्रदर्शनी के माध्यम से गायत्री परिवार के कार्यों को दर्शाया गया है. समारोह की देखरेख में लगीं अंजना मेहरिया ने बताया कि कल से यज्ञ शुरू होगा. विभिन्न आयोजनों के माध्यम से मानव मात्र के कल्याण के लिए आयोजित उक्त यज्ञ में काफी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा ले रहे हैं. उन्होंने बताया कि यज्ञ को लेकर बंगाल के लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है. शनिवार को 24 हजार दीपकों के भव्य दीपयज्ञ का आयोजन होगा. साथ ही प्रवचन आदि का आयोजन रोज हो किया जा रहा है. चार दिनव्यापी इस आयोजन में वैदिक प्रणाली से सभी संस्कार लोगों को निःशुल्क ही करवाये जायेंगे. उन्होंने बताया कि गायत्री यज्ञ एवं संस्कार महोत्सव का लाभ हर कोई ले सकता है. उनके मुताबिक श्रद्धालुओं के गहरे उत्साह को देखते हुए राज्य के विभिन्न हिस्सों से बसों से आने की उत्तम व्यवस्था भी की गयी है. उल्लेखनीय है कि बाइपास के पास रूबी अस्पताल के सामने उक्त यज्ञ का आयोजन किया गया है.

- शोभा यात्रा में 2000 से अधिक महिलाएं शामिल
- हुगली, हावड़ा, बांकुड़ा, बर्दवान से भी लोग आये
- कलशयात्रा निकलने पर देखनेवालों की भीड़ उमड़ी
- बंग भूमि के उज्जवल भविष्य के लिए कुंडीय यज्ञ
- गायत्री परिवार ने चित्रों की प्रदर्शनी भी लगायी
- शनिवार को 24 हजार दीपकों से दीपयज्ञ होगा
- चारदिनी समारोह में सभी संस्कार निःशुल्क होंगे

प्रभात खबर 2, जनवरी, 2004

सेन्टर फॉर मीडिया रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट स्टडीज द्वारा कलकत्ता क्लब में आयोजित परिसंवाद गोष्ठी में बायें से अमेरिकन सेन्टर सूचना प्रमुख प्रशान्त कुमार बोस, छपते छपते के संपादक श्री विश्वम्भर नेवर, मि. जेड. वी. हरकेन राइडर, श्रीमती जे. रामा प्रसाद (प्रचार्य साउदर्न इलिनोइस विश्वविद्यालय, कारबोन्डेल, यू. एस. ए.) पूर्व रेलवे के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी समीर गोस्वामी एवं मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी श्री एस. मजुमदार।

छपते छपते , 4, जनवरी , 2004

सेन्टर फोर मीडिया रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट स्टडीज द्वारा शनिवार को कलकत्ता क्लब में आयोजित परिसंवाद गोष्ठी में बायें से अमेरिकी सूचना केन्द्र के सूचना प्रमुख प्रशांत बोस, विश्वम्भर नेवर, अमेरिकी सूचना के वरिष्ठ अधिकारी जेड.वी. हरकेनराइडर, कारबोनडेल (यूएसए) विश्वविद्यालय की प्रचार्य श्रीमती जे. रामप्रसाद, प्रभा खेतान फाउंडेशन के न्यासी अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया, पूर्व रेलवे के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी समीर गोस्वामी एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सौमित्र मजुमदार। विश्वमित्र चित्र

दैनिक विश्वमित्र ,4, जनवरी,2004

मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य विद्यासागर मेला के उदघाटन समारोह को संबोधित करते हुए बैठे हैं उनके बायें से राज्य के मंत्री नरेन दे, वाममोर्चा के चेयरमैन बिमान बोस, संजय बुधिया, सुशील बाजोरिया, हर्ष नेवटिया, डा. प्रभा खेतान एवं संदीप भुतोड़िया।

फोटो : छपते छपते

छपते छपते ,6, जनवरी, 2004

मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य विद्यासागर मेला के समापन समारोह को संबोधित करते हुए, मंचासीन हैं राज्य के मंत्री नरेन दे व वाममोर्चा के चेयरमैन विमान बोस। इस अवसर पर उपस्थित उद्योगपति समुदाय बाएं से सी.आई.आई. पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष संजय बुधिया, शिशिर बाजोरिया, हर्ष नेवटिया, डॉ. प्रभा खेतान व संदीप भूतोड़िया। फ़ोटो : विश्वमित्र

दैनिक विश्वमित्र,7, जनवरी , 2004

महिला परिषद की खेलकूद प्रतियोगिता

कोलकाता : महिला परिषद द्वारा संचालित बालकुंज का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आज चितरंजन ऐवेन्यु में संपन्न हुई. इस प्रतियोगिता में 80 जूनियर और सीनियर प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया. दोनों ही गुपों के प्रतियोगियों को पांच विभाग में बांटा गया था. जूनियर ग्रुप के नतीजे इस प्रकार रहे : **50 मी फ्लैट रेस** : प्रीति गोयका (प्रथम), क्रतिका भानुका (द्वितीय), रोहित पोद्दार (तृतीय). **माला रेस** : अंशिका झुनझुनवाला (प्रथम), ऋशिता बागड़ी (द्वितीय), नियति जैन व क्रतिका मुंधड़ा (तृतीय). **रीड रेस** : प्रशांत राय (प्रथम), तुषार डालमिया (द्वितीय), मधुसूदन लड्ढा (तृतीय). **हैट एंड बॉल रेस** : अंकिता सर्राफ (प्रथम), मोहित गुप्ता (द्वितीय), हर्षिता केडिया (तृतीय). **बिस्कुट रेस** : प्रतीक ओड़ा (प्रथम), मयंक सुरेका (द्वितीय), रोहित टांटिया (तृतीय). **सीनियर ग्रुप : 100 मी फ्लैट रेस** : सौरभ दत्त (प्रथम), रोहित जैन (द्वितीय), राघव बागड़ी (तृतीय). **कलेक्शन ऑफ ऑब्जेक्ट्स रेस** : देवजीत ओझा (प्रथम), प्रतीक जायसवाल (द्वितीय), विधि मेहरा (तृतीय). **हॉपिंग रेस** : उत्कर्ष खंडेलवाल (प्रथम), शिखा अग्रवाल (द्वितीय), आयुष शाह (तृतीय). मिले रेस में क्रतिका जालान, मानसी चोंडक, मयंक पटवा व राहुल मोहता प्रथम रहे. जबकि दूसरी ओर म्युजिकल चेयर प्रतियोगिता में पूजा सोनी ने बाजी मारी. इस अवसर समाजसेवी संदीप भूतोड़िया ने विजेताओं को पुरस्कृत किया. इस अवसर विमला मोहता व प्रमिला केजड़ीवाल उपस्थित थीं. कार्यक्रम का संचालन व्रती पोपाल ने किया तथा गीता मोहता ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

पुरस्कार देते समाजसेवी संदीप भुतोड़िया.

प्रभात खबर ,11 , जनवरी , 2004

महिला परिषद द्वारा संचालित बालकुंज के बच्चों की शनिवार को गिरीश पार्क में आयोजित खेल प्रतियोगिता में समाजसेवी संदीप भूतोड़िया पुरस्कार देते हुए। साथ में श्रीमती प्रमिला केजड़ीवाल, सुशीला भंडारी।

फोटो : छपते-छपते

छपते छपते ,11, जनवरी,2004

महिला परिषद अनुकरणीय कार्य कर रही है : भूतोड़िया

कोलकाता, १० जनवरी (नि.प्र.)। किसी भी संस्था का लगातार ४० वर्षों तक चलना ही एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। विभिन्न कार्य क्षेत्रों के माध्यम से महिला परिषद समाज की जो सेवा कर रही है दूसरे के लिए अनुकरणीय है। ऐसी संस्थाओं से जुड़ना स्वयं को गौरवान्वित करता है। किन्तु दुःख की बात है कि ऐसी संस्थाओं को भी आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ता है। उक्त कथन है अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष श्री संदीप भूतोड़िया का जो आज यहां महिला परिषद द्वारा संचालित बालकुंज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। श्री भूतोड़िया ने कहा कि हर व्यक्ति का कर्त्तव्य हो जाता है कि वह ऐसी कामकाजी संस्थाओं की सहायता करें। श्री भूतोड़िया ने परिषद को आश्वासन दिया कि आर्थिक तंगी के कारण अब महिला परिषद को अपने विभाग बंद नहीं करने पड़ेंगे। आपने

विजयी बच्चों को पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री भूतोड़िया।

परिषद के कम्प्यूटर विभाग के संचालन के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि सन् १९६२ में स्थापित महिला परिषद समाज सेवा के क्षेत्र में शिक्षा संस्कृति, नृत्य संगीत कला तथा महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। महिला परिषद आज की पाश्चात्य संस्कृति दूर से दूर रह कर पारिवारिक सौहार्दय के साथ अपने पथ पर अग्रसर है। बालकुंज में मान्टेसरी तक की शिक्षा दी जाती है तथा जिसमें २ वर्ष से लेकर ऊपर तक के बच्चों को शिक्षा दी जाती है। परिषद नए सत्र से इसमें इजाफा करते हुए डेढ़ वर्ष के बच्चों की भर्ती का प्रावधान रखा। खेलकूद प्रतियोगिता में नन्हें मुन्नों का खेल देखने लायक था। बाद में विभिन्न प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को श्री भूतोड़िया ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर परिषद की अध्यक्षा गायत्री सीमानी, सचिव सूरज बागड़ी तथा बालकुंज की अध्यक्षा सुशीला भंडारी, प्रमिला केजड़ीवाल व श्री एस एल भट्टड़ उपस्थित थी। विमला मोहता ने परिषद के कार्यों पर प्रकाश डाला। खेलकूद का संचालन प्रिंसिपल कृति घोषाल ने किया।

दैनिक विश्वमित्र ,11, जनवरी,2004

महिला परिषद द्वारा संचालित बालकुंज के वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युव शाखा के अध्यक्ष श्री संदीप भूतोड़िया। पास ही चित्र में महिला परिषद की अध्यक्षा श्रीमती मीमानी, बालकुंज की अध्यक्षा सुशीला भंडारी व अन्य परिलक्षित हैं। विश्वमित्र चित्र

दैनिक विश्वमित्र ,11, जनवरी,2004

सोमनाथ चटर्जी से सीधी बातचीत १८ जनवरी को

प्रभा खेतान फाउन्डेशन का आयोजन

कोलकाता, १४ जनवरी। स्थानीय प्रभा खेतान फाउन्डेशन द्वारा आगामी रविवार दिनांक १८ जनवरी को श्री सोमनाथ चटर्जी, सांसद एवं अध्यक्ष पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। ग्रेट इस्टर्न होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि श्री सोमनाथ चटर्जी से सीधी वार्तालाप कर उनसे पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं। प्रभा खेतान फाउन्डेशन के न्यासी श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकार एवं मध्य श्रेणी के व्यवसायी वर्ग के मध्य एक संवाद स्थापित करना है क्योंकि व्यावसायियों और व्यापारियों का एक बहुत बड़ा वर्ग जो मध्यम श्रेणी का है, सरकार द्वारा प्रस्तावित कई सुविधाएं एवं योजनाओं के जानकारी से भी वंचित रह जाता है। इस शृंखला में श्री सोमनाथ चटर्जी से वार्ता प्रथम आयोजन है इसके पश्चात डॉ. सव्यसाची सेन, सचिव उद्योग एवं वाणिज्य, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री निरूपम सेन, औद्योगिक मंत्री पश्चिम बंगाल सरकार एवं श्री अमित किरण देव, सचिव गृह विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार से भी सीधी बातचीत आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रभा खेतान फाउन्डेशन की प्रबंध न्यासी एवं साहित्यकार डॉ. प्रभा खेतान उपस्थित रहेंगी एवं श्री शिशिर बाजोरिया, अध्यक्ष बंगाल समिति, इंडियन चेम्बर ऑफ कामर्स, इस प्रश्न-उत्तर शृंखला का संयोजन करेंगे। इन कार्यक्रमों को सुचारू रूप से आयोजित करने हेतु एक कार्य समिति का गठन हुआ है। इस कार्य समिति में श्री तिलोकचंद डागा, श्री विश्वम्भर नेवर, श्री चंद्रकांत सराफ, श्री ओमप्रकाश अशक, श्री प्रकाश चंडालिया, श्री राजकुमार शर्मा तथा श्री संजय हरलालका शामिल हैं। प्रभा खेतान फाउन्डेशन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक श्री दिनेश बजाज एवं राजेश बिहानी ने जानकारी दी कि इन कार्यक्रम की शृंखला में हर कार्यक्रम में कोलकाता के प्रमुख अंग्रेजी दैनिकों के संपादक उपस्थित रहेंगे जो कि बरखा दत्त के टीवी कार्यक्रम 'वी द पीपुल' तर्ज पर कार्यक्रम के बारे में अपने विचार प्रकट करेंगे। शृंखला के आयोजन में उपस्थिति हेतु हिन्दुस्तान टाइम्स के संपादक श्री राजीव बागची, टाईम्स ऑफ इंडिया के संपादक श्री डेरिक डिकासा एवं टेलीग्राफ-मेट्रो के संपादक श्री सुमित दासगुप्ता से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। सभी व्यावसायिक संस्था के पदाधिकारियों को कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपनी-अपनी समस्याओं को प्रस्तुत करने हेतु निवेदन किया गया है।

दैनिक विश्वमित्र, 15, जनवरी, 2004

प्रभा खेतान फाउण्डेशन का

सोमनाथ चटर्जी से सीधी बात

कोलकाता, 14 जनवरी (संवाददाता)। स्थानीय प्रभाखेतान फाउण्डेशन द्वारा आगामी रविवार (18) को श्री सोमनाथ चटर्जी, सांसद एवं अध्यक्ष पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। ग्रेट ईस्टर्न होटल में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि श्री सोमनाथ चटर्जी से सीधी वार्तालाप कर उनसे पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं।

प्रभा खेतान फाउण्डेशन के न्यासी श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकार एवं मध्य श्रेणी के व्यावसायी वर्ग के मध्य एक संवाद स्थापित करना है क्योंकि व्यवसायियों और व्यापारियों का एक बहुत बड़ा वर्ग जो मध्यम श्रेणी का है, सरकार द्वारा प्रस्तावित कई सुविधाएं एवं योजनाओं की जानकारी से भी वंचित रह जाता है। इस शृंखला में श्री सोमनाथ चटर्जी से बातों प्रथम आयोजन है इसके पश्चात डॉ. सव्यसाची सेन, सचिव उद्योग एवं वाणिज्य, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री निरुपम सेन, औद्योगिक मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार एवं श्री अमित किरण देब, सचिव गृह विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार से भी सीधी बातचीत आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रभा खेतान फाउण्डेशन की प्रबंध न्यासी एवं साहित्यकार डॉ. प्रभा खेतान उपस्थित रहेंगी एवं श्री शिशिर बाजोरिया, अध्यक्ष बंगाल समिति, इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स, इस प्रश्न उत्तर शृंखला का संयोजन करेंगे। इन कार्यक्रमों को सुचारु रूप से आयोजित करने हेतु एक कार्य समिति का गठन हुआ है। इस कार्य समिति में जैन संस्कृति संसद के श्री तिलोकचंद डागा, श्री विश्वम्भर नेवर, प्रमुख संपादक-छपते छपते एवं ताजा खबर, श्री चंद्रकांत सराफ, अध्यक्ष-प्रेम मिलन, श्री ओमप्रकाश अरक, संपादक-प्रभात खबर, श्री प्रकाश चंडालिया, संपादक-महानगर, श्री राजकुमार शर्मा-समाजसेवी तथा सेवा संसार के संपादक श्री संजय हरलालका शामिल हैं।

प्रभा खेतान फाउण्डेशन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक श्री दिनेश बजाज एवं राजेश बिहानी ने जानकारी दी कि इन कार्यक्रम की शृंखला में हर कार्यक्रम में कोलकाता के प्रमुख अंग्रेजी दैनिकों के संपादक उपस्थित रहेंगे जो कि बरखा दत्त के टीवी कार्यक्रम 'वो द पीपुल' की तर्ज पर कार्यक्रम के बारे में अपने विचार प्रकट करेंगे। शृंखला के आयोजन में उपस्थित हेतु हिन्दुस्तान टाइम्स के संपादक श्री राजीव बागची, टाइम्स ऑफ इंडिया के संपादक श्री डेरिक डिकासा एवं टेलीग्राफ-मेट्रो के संपादक श्री सुमित दासगुप्ता से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। सभी व्यावसायिक संस्था के पदाधिकारियों को कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपनी-अपनी समस्याओं को प्रस्तुत करने हेतु निवेदन किया गया है।

छपते छपते, 15, जनवरी, 2004

प्रभा खेतान फाउंडेशन के कार्यक्रम में होगी सोमनाथ से सीधी बात

कोलकाता, 14 जनवरी : प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा 18 जनवरी को सांसद एवं पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. ग्रेट इस्टर्न होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि सोमनाथ चटर्जी से सीधी बातचीत कर उनसे पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं. प्रभा खेतान फाउंडेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार एवं मध्य व्यवसायी वर्ग के बीच एक संवाद स्थापित करना है. उन्होंने कहा कि व्यवसायियों और व्यापारियों का एक बड़ा तबका मध्यम वर्ग का है. सरकार द्वारा प्रस्तावित कई सुविधाएं और योजनाओं की जानकारी से भी वे वंचित हैं. इस श्रृंखला में सोमनाथ चटर्जी से वार्ता पहले सत्र में होगी. इसके बाद सचिव उद्योग एवं वाणिज्य डॉ सव्यसाची सेन, औद्योगिक मंत्री निरुपम सेन और सचिव गृह अमित किरण देव से भी सीधी बातचीत की जायेगी. इस कार्यक्रम में प्रभा खेतान फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी एवं साहित्यकार डॉ प्रभा खेतान उपस्थित रहेंगी. इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स बंगाल समिति के अध्यक्ष शिशिर बाजोरिया इस कार्यक्रम का संयोजन करेंगे. कार्यक्रम की सफलता के लिए एक कार्यसमिति का गठन हुआ है. इस कार्यसमिति में तिलोकचंद डागा, विश्वंभर नेवर, चंद्रकांत सराफ, *प्रभात खबर* के स्थानीय संपादक ओमप्रकाश अश्क, राजकुमार शर्मा, संजय हरलालका शामिल हैं. फाउंडेशन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक दिनेश बजाज एवं राजेश बिहानी ने जानकारी दी कि इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में कोलकाता के प्रमुख अंगरेजी दैनिकों के संपादक भी उपस्थित रहेंगे. ये बरखा दत्त के टीवी कार्यक्रम *वी द पीपुल* की तर्ज पर अपने विचार प्रकट करेंगे. श्रृंखला के आयोजन में उपस्थिति हेतु कई प्रमुख अखबारों के संपादकों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है. सभी व्यावसायिक संस्थाओं के पदाधिकारियों को कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी-अपनी समस्याओं को प्रस्तुत करने हेतु निवेदन किया गया है.

प्रभात खबर ,15, जनवरी,2004

Somnath ridicules India shining drive

HT Correspondent
Kolkata, January 18

SOMNATH CHATTERJEE has ridiculed the Uday Bharat and India is Shining advertising campaigns launched by the Centre as a gimmick with an eye on the ensuing general elections.

Accusing the BJP-led NDA government of misusing public money to promote the supposed 'feel-good factor', the CPI (M) leader said: "The term is a very relative one, and there is nothing for the countrymen to feel good about. A very nominal percentage of people have actually benefited from the policies of the government at the centre. But there is nothing good for the common man on the street."

Interacting with representatives of the various business communities at a function on Sunday, Chatterjee, who is also the chairman of the West Bengal Industrial Development Corporation, however, sounded positive on the industrial scenario in the state. He said the state is gradually turning into an industrial hub of the country.

The WBIDC chairman said the state would receive investments worth crores of rupees in the near future. Citing examples to back his claim, he said that a German company is about to start a Rs. 2400 crore project in the state, another German and a Indian company would take up coal-based projects worth Rs. 1500 crore, besides, a Japanese firm would also invest Rs. 1600 crore in the state.

Replying to an accusation that Bengal still has negative image in the business world, Chatterjee begged to defer and said that 16 per cent of retail trade of India is done in and through Kolkata. He also added that in last two years, 96 per cent investment in iron and steel industry was made in West Bengal. Kolkata, he said, is the second largest industrial centre for the Indian Bank.

Chatterjee also promised to take up the matter of providing Hindi version of Madhyamik question papers to the students with the chief minister.

HINDUSTAN TIMES, 19, JANUARY, 2004

Businessmen flay state's policy

Statesman News Service

KOLKATA, Jan. 18. — Though the West Bengal Industrial Development Corporation chairman, Mr Somnath Chatterjee, painted a rosy picture of West Bengal as an investor-friendly state, Hindi-speaking business population of the state feel that their voices remained unheard.

To underline their problems, an interactive session with Mr Chatterjee was organised by the Prabha Khaitan Foundation today.

According to Ms Prabha Khaitan, it is not possible for those living and working in the Burrabazar area to have a dialogue with the government. This session was organised to give them a forum, she said.

At the session, Mr Chatterjee was faced with a barrage of questions and allegations about militant trade unionism and the industrial atmosphere of the state.

Speaking at the session, Mr Chatterjee presented an investor-friendly picture of the state. "Yesterday, officials of the Indian Bank met me. Expressing interest to invest in the state, they said that after Mumbai, Kolkata is the second centre commanding 10 per cent of the business," he said.

Mr Somnath Chatterjee

However, it was pointed out by the audience that earlier it was number one and the state government is responsible for the decline. "The government has failed to understand the needs of businessmen," said a member of the audience.

Addressing the gathering, Mr Shishir Bajoria, chairman Bengal committee of the Indian Chamber of Commerce, said: "You would know more about Andhra Pradesh than about Kolkata. It is important to create the right image."

However, there were not-so-pleasant reality bites from the audience. When reminded of the assault on Bata managing director as an example of militant trade unionism or frequent strikes, he requested the businessmen to inform them about the problems.

"We need your suggestion and guidance. Do industrialists get beaten up everyday? This should be condemned. But, there is no problem that cannot be solved through discussions.

If India and Pakistan can talk, why can't employer and employees sort out their problems through talks? I can't assure that all problems would be solved but we can definitely try," he said.

THE STATESMAN, 19, JANUARY, 2004

16

सेवासंसार 19 जनवरी 2004

मुंबई के बाद कोलकाता आज भी देश का सबसे बड़ा व्यापारिक केन्द्र है : सोमनाथ

संवाद कार्यक्रम आयोजित कर प्रभा खेतान फाउंडेशन ने वाहवाही बटोरी

कल ग्रेट ईस्टर्न होटल में प्रभा खेतान फाउंडेशन की तरफ से आयोजित सीधी बात कार्यक्रम में परिक्षित हैं बाएं से दिनेश बजाज, पत्रकार उत्तम सेन गुप्ता, डा. प्रभा खेतान, सांसद सोमनाथ चटर्जी, शिशिर बाजोरिया एवं संदीप भूतोड़िया।

कोलकाता, 19 जनवरी (सेस)। उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में बंगाल की छवि तेजी से बदल रही है। देशी-विदेशी उद्योगपति राज्य में निवेश के लिए आ रहे हैं। जापान की एक कंपनी ने हल्दिया में 1600 करोड़ रूपये का निवेश किया है। जर्मनी की एक कंपनी के साथ राज्य में 2400 करोड़ रूपये के निवेश पर बातचीत चल रही है। पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष व सांसद सोमनाथ चटर्जी ने कल ग्रेट इस्टर्न होटल के रजनीगंधा हॉल में प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में यह दावा किया। उन्होंने इंडियन बैंक के एक सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि मुंबई के बाद कोलकाता आज भी देश का सबसे बड़ा व्यापारिक केन्द्र है। महानगर में देश का 10 प्रतिशत कारोबार होता है, राज्य में बिजली, पानी, कोयला, खनिज आदि आधारभूत सुविधाएं मौजूद हैं। सरकार निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए हर प्रयास कर रही है।

कार्यक्रम के परस्पर संवाद सत्र में अधिकांश हिंदीभाषी उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य द्वारा हाल ही में यहां पड़ोसी राज्यों के लोगों के खिलाफ की गयी टिप्पणी और हिन्दी में प्रश्नपत्र नहीं देने का मुद्दा उठाया, जवाब में श्री चटर्जी ने कहा कि उन्हें गर्व है कि बंगाल में खासकर कोलकाता में विभिन्न भाषा, धर्म और जाति के लोग एक साथ रहते हैं। बंगाल के विकास में गैर बंगालियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार आज गैर बंगाली देशी-विदेशी निवेशकों को खुले दिल से आमंत्रित कर रही है। मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने हिंदी भाषियों के बारे में जो बातें कही है उसे गलत ढंग से परिभषित किया गया। हालांकि इस बारे में उनकी मुख्यमंत्री से बात नहीं हुई है लेकिन जब हिन्दीभाषियों को इस पर एतराज है तो वह जरूर इस पर मुख्यमंत्री से बात करेंगे। श्री चटर्जी ने कहा कि माध्यमिक परीक्षा में हिंदी में प्रश्नपत्र देने की उनकी मांग को वह मुख्यमंत्री तक पहुंचायेंगे। राष्ट्रीय महानगर से सम्पादक प्रकाश चंडालिया ने सवाल किया कि बंगाल की नकारात्मक छवि में कुछ हकीकत है। सरकार यहां मजदूरों की हर मांग को जायज ठहराती है और बाटा के प्रबंध निदेशक को थप्पड़ खाना पड़ता है। माकपा के मंत्री सरस्वती वंदना होने पर कार्यक्रम का बॉयकाट कर देते हैं। श्री चटर्जी ने इसके जवाब में कहा कि हड़ताल करना मजदूरों का लोकतांत्रिक अधिकार है। सरकार इसको अंतिम हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की सलाह देती है क्योंकि श्रमिक रोजाना हड़ताल पर नहीं जाते। बाटा के किसी अधिकारी के थप्पड़ खाने की घटना अपवाद हो सकती है। इस तरह की किसी भी घटना की जानकारी मिलती है तो इसकी जरूर निंदा की जाती है। जहां तक सरस्वती वंदना में माकपा के मंत्रियों द्वारा बॉयकाट करने की बात है तो सरकारी कार्यक्रम में इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान से सरकार को परहेज है। संविधान में किसी सरकारी कार्यक्रम में किसी धर्म विशेष की रीति का उल्लेख नहीं है। इसका मतलब यह नहीं कि राज्य सरकार सरस्वती पूजा का विरोध करती है। सार्वजनिक रूप में यहां सभी देवी-देवताओं की पूजा होती है। छपते-छपते के सम्पादक विश्वंभर नेवर ने भी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य द्वारा हिंदीभाषियों के खिलाफ की गयी टिप्पणी का मुद्दा उठाया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार लघु उद्योगों के विकास पर ध्यान नहीं दे रही है। सेवासंसार के सम्पादक संजय हरलालका ने छोटे-छोटे श्रमिक संगठनों द्वारा मालिकों को परेशान करने तथा हिंदू तीर्थयात्रियों पर कर लगाने का मुद्दा उठाया। देवेंद्र जैन ने चायबगान के श्रमिकों की बहाली पर सवाल किया तो रामअवतार सराफ ने कहा कि बंगाल की छवि जैसी होनी चाहिए, वैसी नहीं हुई। कुल मिला कर संवाद सत्र में सरकार द्वारा हिंदी उद्योगपतियों पर ध्यान नहीं देने का मुद्दा छाया रहा। जवाब में श्री चटर्जी ने कहा कि वह सबका सहयोग चाहते है। उन्होंने कोई भी समस्या होने पर सरकार से संपर्क करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकार हिंदीभाषी उद्योगपतियों की समस्याएं सुलझाने का हरसंभव प्रयास करेगी। वरिष्ठ पत्रकार उत्तम सेनगुप्ता ने कहा कि बंगाल में हिंदी को जितना सम्मान मिलना चाहिए उतना नहीं मिला है। हिंदी जाने बिना यहां के लोग बाहर जाकर काम नहीं कर सकते। राज्य का तभी विकास हो सकता है, जब सबको समान न्याय मिले। डॉ. प्रभा खेतान ने ऐसे कार्यक्रम में संस्था की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन दिनेश बजाज ने किया। इस मौके पर इंडियन चेम्बर ऑफ कामर्स की बंगाल शाखा के चेयरमैन शिशिर बाजोरिया, फाउण्डेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया, स्वागत समिति के सदस्य चंद्रकांत सराफ, राजकुमार शर्मा आदि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने प्रभा खेतान फाउन्डेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सराहनीय प्रयास बताया।

রাজ্যে ট্রেড ইউনিয়নের বাড়াবাড়ি চলছেই, সোমনাথের সামনেই সরব ব্যবসায়ীরা

নিজস্ব প্রতিনিধি, কলকাতা: রাজ্য সরকার এরাজ্যের শিল্প মানচিত্র সম্পর্কে যত ভালো ছবিই হাজির করার চেষ্টা করুক, এরাজ্যের ব্যবসায়ীদের অধিকাংশই তা মানতে রাজি নন। রবিবার কলকাতায় একটি সভায় ওয়েস্ট বেঙ্গল ইন্ডাস্ট্রিয়াল ডেভেলপমেন্ট কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান সোমনাথ চট্টোপাধ্যায়ের সামনেই তাঁরা এরাজ্যে ট্রেড ইউনিয়নের বাড়বাড়ি নিয়ে অভিযোগ করলেন। মাঝেমাঝেই ধর্মঘট ডেকে কাজ বন্ধ করে দেওয়ার অভিযোগও করলেন তাঁরা। এরাজ্যের শিল্পোন্নয়নের ছবি হাজির করার চেষ্টা করলেও, সোমনাথবাবুর কোনও চেষ্টাই সভায় উপস্থিত ব্যবসায়ীদের আশ্বস্ত করতে পারল না। শেষ পর্যন্ত অভিযোগগুলি মুখ্যমন্ত্রী বুদ্ধদেব ভট্টাচার্যকে জানানোর পাশাপাশি নিজেও সমাধানের চেষ্টা করার প্রতিশ্রুতি দিলেন সোমনাথবাবু।

এদিন প্রভা খৈতান ফাউন্ডেশনের অনুষ্ঠানের শুরুতেই সোমনাথবাবু বলেন, শনিবার ইন্ডিয়ান ব্যাংকের চেয়ারম্যান অ্যান্ড ম্যানেজিং ডিরেক্টর জানিয়েছেন মুম্বইয়ের পরে কলকাতার সবচেয়ে বড় ব্যবসায়িক কেন্দ্র হিসাবে উঠে আসার সম্ভাবনা রয়েছে। তাছাড়া গত দু'বছরে লৌহ এবং ইস্পাত শিল্পে সারা দেশে যে পরিমাণ লগ্নি হয়েছে তার সিংহভাগই এসেছে এরাজ্যে। এখানে ১৬০০ কোটি টাকার একটি জাপানি প্রকল্প কাজ শুরু করার দ্বিতীয় বছরেই উন্নতির মুখ দেখছে। জার্মানির একটি সংস্থা ২৪০০ কোটি টাকার একটি প্রকল্পের কাজ শুরু করতে চাইছে। আর একটি কয়লা নির্ভর শিল্পেরও আসার কথা রয়েছে। ১৫০০ কোটি টাকার ওই প্রকল্পের প্রথম পর্যায়ে ৩২০ কোটি টাকা লগ্নি করা হবে বলেও তিনি জানান। তাঁর বক্তব্য, ব্যবসায়ীরা এরাজ্যে নিশ্চিন্তে ব্যবসা করুন। কেবল আমাদের কিছু কর দিন।

এরপর প্রশ্নোত্তর পর্ব শুরুই হয় ধর্মঘটের কথা দিয়ে। অভিযোগ ওঠে সোমনাথবাবু যতই 'সিল গুড ফ্যাক্টর' দেখানোর চেষ্টা করুন না কেন, এরাজ্যে প্রায়ই ধর্মঘট হয়। বড় বাজারের দোকানগুলিতে দুজন কর্মচারী থাকলেও তাঁরা ধর্মঘট ডাকেন। জুট মিলে শ্রমিকদের দাবি দাওয়াকে খোদ শ্রমমন্ত্রীই ন্যায্য বলে সার্টিফিকেট দেন। ছোট শিল্পগুলিকে নিয়ে রাজ্য সরকারের কোনও মাথাব্যথাই নেই বলে অভিযোগ করেন কেউ কেউ।

ব্যবসায়ীদের একাংশ অভিযোগ করেন, ধর্মীয় অনুষ্ঠানগুলির ক্ষেত্রে রাজ্য সরকার একপেশে মনোভাব দেখাচ্ছে। তারকেশ্বর মেলা বা গঙ্গাসাগর মেলার মতো ধর্মীয় অনুষ্ঠানে কর বসানো হচ্ছে, পার্শ্বনাথের মিছিলে জোরে মাইক বাজানো হলে পুলিশ এসে বিরক্ত করছে। অথচ আজানের সময় বা ঈদ, মহরমের মতো অনুষ্ঠানের সময় কোনও নিয়মের ছোঁয়াচই কথা হচ্ছে না। এই অভিযোগ উড়িয়ে দিয়ে সোমনাথবাবু বলেন, এরাজ্যের সরকার সম্পূর্ণ ধর্মনিরপেক্ষ। তাই সরকারি অনুষ্ঠানে সরস্বতী বন্দনা যেমন তারা মানে না, তেমনই অন্য কোনও ধর্মীয় সম্প্রদায়কে কোনও বাড়তি সুবিধাও দেয় না।

রাজ্যের শিল্পপরিস্থিতি প্রসঙ্গে সোমনাথবাবু জানান, শ্রমিকদের ধর্মঘটের সাংবিধানিক অধিকার রয়েছে।

BARTAMAN,19, JANUARY, 2004

যখন-তখন কাজ বন্ধ করলে কড়া ব্যবস্থার হুমকি সোমনাথের

স্টাফ রিপোর্টার: রাজ্যের শ্রম পরিস্থিতির অবনতির ছবিটা মুছতে প্রাণপণ লড়ে গেলেন সাংসদ সোমনাথ চট্টোপাধ্যায়। রবিবার বিকেলে শিল্প মহলের সমীপে তিনি বলেন, "সম্পর্ক স্বাভাবিক করতে হিন্দুস্তান-পাকিস্তান বাতচিত শুরু করতে পারে। আর এ রাজ্যের শ্রমিক-মালিক পারে না!"

ব্যবসা-বাণিজ্যের ব্যাপারে ইউনিয়নের নাক গলানো নিষিদ্ধ করে সম্প্রতি সিটু-র সম্মেলনে সিদ্ধান্ত হয়েছে বলে জানিয়ে সোমনাথবাবুর হুঁশিয়ারি, "যখন-তখন কাজ বন্ধ করে দেওয়া যাবে না। এ সব করলে রাজ্য সরকার কড়া ব্যবস্থা নেবে।"

এ দিন ইন্ডিয়ান চেম্বার অব কমার্সের বেঙ্গল কমিটির চেয়ারম্যান শিশির বাজোরিয়ার উপস্থিতিতে, প্রভা মৈত্রান ফাউন্ডেশনের আমন্ত্রণে এক সভায় রাজ্যের শ্রমিক অশান্তি নিয়ে অভিযোগের মুখোমুখি হন সোমনাথবাবু। কথায় কথায় বনধ-ধর্মঘট, বড়বাজারের ছোট দোকানেও ট্রেড ইউনিয়ন, এমনকী কারখানা চালু হওয়ার আগেই ধর্মঘট ডেকে রাজ্যের শ্রম সম্পর্ককে বিষিয়ে তোলা— এ সব নিয়ে বাণিজ্য মহল এ দিন বিবিধ আক্ষেপ প্রকাশ করে।

কিছু দিন আগেই এ রাজ্যে কারখানার মালিককে ইউনিয়ন সদস্য চাঁটি মেরেছে— জনৈকের এই অভিযোগের উত্তরে এ ধরনের ঘটনা নিন্দনীয় বলে স্বীকার করেন তিনি। তবে সোমনাথবাবু বলেন, "রাজ্যে রোজ-রোজ ধর্মঘট হয় না। মালিককেও রোজ-রোজ অপদস্থ করা হয় না। পরিস্থিতি খতিয়ে দেখেই জাপানি কিংবা জার্মান সংস্থা লগ্নি করতে আসছে রাজ্যে। মুখ দেখে নয়।"

তিনি প্রসঙ্গত বলেন, লৌহ-ইস্পাত শিল্পে সারা দেশে মোট বিনিয়োগের ৯৬ শতাংশই হচ্ছে এ রাজ্যে। ১৬০০ কোটি টাকার জাপানি লগ্নি এবং ২৪০০ কোটি টাকার জার্মান বিনিয়োগও আসছে রাজ্যে।

শ্রম সম্পর্কের অবনতি রুখতে রাজ্য সরকার কঠোর মনোভাব নিয়েছে বলেও জানিয়ে দিলেন সোমনাথবাবু। তাঁর বক্তব্য, কারখানা খুলতে কিংবা উদ্যোগ গড়ার পথে স্থানীয় "মাফিয়ারাজ" বাধ সাধলে এখন থেকে রাজ্য সরকার কড়া ব্যবস্থা নেবে।" শেষ ভরসা হিসাবে ধর্মঘট করার সাংবিধানসম্মত অধিকার রয়েছে কর্মীদের। তবে অন্যায় ভাবে মালিক পক্ষকে হেনস্থা করলে কঠোর ব্যবস্থা নেবে রাজ্য। পুলিশ পাঠানো হবে।

শিল্প মহলকে তিনি এ দিন বলেন, "রেআইনি দাবি-দাওয়া তুলে চাপ দিয়ে কিছু নেতা টাকা আদায় করতে চায়। ওটা ইউনিয়নের কাজ নয়। ওরা স্থানীয় মাফিয়া। ওদের সঙ্গে সমঝোতায় যাবেন না।"

চা-বাগান এবং চটকলে শ্রমিক অসন্তোষ নিয়ে অভিযোগ ছাড়াও, এ দিনের সভায় রাজ্যে হিন্দি ভাষাকেও সম্মান গুরুত্ব দেওয়ার দাবি ওঠে। মাধ্যমিক পরীক্ষায় হিন্দিতে প্রশ্নপত্র ছাপানোর দাবি সম্পর্কে সরকারকে অবহিত করবেন বলে কথা দেন সোমনাথবাবু।

ANANDBAZAR PATRIKI,19, JANUARY, 2004

औद्योगिक विकास में सुधार की जरूरतः सोमनाथ

कोलकाता। माकपा के वरिष्ठ नेता तथा पश्चिम बंगाल उद्योग विकास निगम के चेयरमैन सोमनाथ चटर्जी ने आश्वासन दिया कि हिंदीभाषियों की समस्या के समाधान के लिये वे व्यक्तिगत तौर पर मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से मिलेंगे। प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में पूछे गये प्रश्नों का जवाब उन्होंने हिंदी में दिया।
माध्यमिक परीक्षा में हिंदी में प्रश्नपत्र नहीं दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसके बारे में वे अनजान थे। इस विषय में वे मुख्यमंत्री से बात करेंगे। उद्योग विकास, लाइसेंस तथा कर प्रणाली के सरलीकरण के संदर्भ में पूछे गये सवालों पर भी उन्होंने सरकार द्वारा उठाये गये कदमों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि U c \ km XXXX 1A ub km b XX वक्तव्य रखा है। इस परिचर्चा में टेलीग्राफ के संपादक उत्तम सेनगुप्त, विश्वंभर नेवर, ओम प्रकाश अश्क, फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी डा प्रभा खेतान, इंडियन चेंबर ऑफ कामर्स की बंगाल शाखा के चेयरमैन शिशिर बाजोरिया, फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया, दिनेश बजाज सहित अन्य कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

प्रभा खेतान फाउंडेशन के मैत्रा कार्यक्रम में पत्रकार उत्तम सेनगुप्ता, डॉ प्रभा खेतान, सांसद सोमनाथ चटर्जी व शिशिर बाजोरिया

जनमित्र टुडे, 19, जनवरी, 2004

उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में सुधर रही है प

प्रभा खेतान फाउंडेशन के संवाद कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल औद्

प्रभा खेतान फाउंडेशन के संवाद कार्यक्रम में (बायें से) पत्रकार उत्तम सेनगुप्ता, डॉ प्रभा खेतान, सांसद सोमनाथ चट

संवाददाता

कोलकाता, 18 जनवरी : उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में बंगाल की छवि तेजी से बदल रही है. देशी-विदेशी उद्योगपति राज्य में निवेश के लिए आ रहे हैं. जापान की एक कंपनी ने हल्दिया में 1600 करोड़ रुपये का निवेश किया है. जर्मनी की एक कंपनी के साथ राज्य में 2400 करोड़ रुपये के निवेश पर बातचीत चल रही है. पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष व सांसद सोमनाथ चटर्जी ने आज यहां प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में यह दावा किया. उन्होंने इंडियन बैंक के एक सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि मुंबई के बाद कोलकाता आज भी देश का सबसे बड़ा व्यापारिक केंद्र है. महानगर में देश का 10 प्रतिशत कारोबार होता है. राज्य में बिजली, पानी, कोयला, खनिज आदि आधारभूत सुविधाएं मौजूद हैं. सरकार निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए हर प्रयास कर रही है.

कार्यक्रम के परस्पर संवाद सत्र में अधिकांश हिंदीभाषी उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य द्वारा हाल ही में यहां पड़ोसी राज्यों के लोगों के खिलाफ की गयी टिप्पणी और हिंदी में प्रश्नपत्र नहीं देने का मुद्दा उठाया. जवाब में श्री चटर्जी ने कहा कि उन्हें गर्व है कि बंगाल में खासकर कोलकाता में विभिन्न भाषा, धर्म और जाति के लोग एक साथ रहते हैं. बंगाल के विकास में गैर बंगालियों की महत्वपूर्ण भूमिका है. सरकार आज गैर बंगाली देशी-विदेशी निवेशकों को खुले दिल से आमंत्रित कर रही है. मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने हिंदीभाषियों के बारे में जो बातें कही हैं, उसे गलत ढंग से परिभाषित किया गया. हालांकि इस बारे में उनकी मुख्यमंत्री से बात नहीं हुई है. लेकिन जब हिंदीभाषियों को इस पर एतराज है, तो वह जरूर इस पर मुख्यमंत्री से बात करेंगे. श्री चटर्जी ने कहा कि माध्यमिक परीक्षा में हिंदी में प्रश्नपत्र देने की उनकी मांग को वह मुख्यमंत्री तक पहुंचायेंगे. पत्रकार प्रकाश चंडालिया ने सवाल किया कि बंगाल की नकारात्मक छवि में कुछ न कुछ हकीकत है. सरकार यहां मजदूरों की हर मांग को जायज ठहराती है और बाटा के प्रबंध निदेशक को थप्पड़ खाना पड़ता है. माकपा के मंत्री सरस्वती वंदना होने पर बॉयकाट कर देते हैं. इसके जवाब में कहा करना मजदूरों का अधिकार है. सरकार इ हथियार के रूप में इस्तेम सलाह देती है क्योंकि श्र हड़ताल पर नहीं जाते, ब के अधिकारी के थप्प

प्रभात खबर, 19, जनवरी, 2004

20A

...श्चिम बंगाल की छवि : सोमनाथ

...गिक विकास निगम के अध्यक्ष का दावा

...शिशिर बाजोरिया और (दायें) कार्यक्रम में उपस्थित लोग.

...क्रम का / ...टर्जी ने / ...हड़ताल / ...तांत्रिक / ...अंतिम / ...रने की / ...संविधान / ...किसी / ...से की

घटना अपवाद हो सकती है. इस तरह की किसी भी घटना की जानकारी मिलती है तो इसकी जरूर निंदा की जाती है. जहां तक सरस्वती वंदना में भाकपा के मंत्रियों द्वारा बॉयकाट करने की बात है तो सरकारी कार्यक्रम में इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान से सरकार को परहेज है. संविधान में भी किसी सरकारी कार्यक्रम में किसी धर्म विशेष की रीति का उल्लेख नहीं है. इसका मतलब यह नहीं है कि राज्य सरकार सरस्वती पूजा का विरोध करती है. सार्वजनिक रूप में यहां सभी देवी-देवताओं की पूजा होती है. पत्रकार विश्वंभर नेवर ने भी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य द्वारा हिंदीभाषियों के खिलाफ की गयी टिप्पणी का मुद्दा उठाया. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार लघु उद्योगों के विकास पर ध्यान नहीं दे रही है. सरकार संजय हरलालका ने हिंदू तीर्थयात्रियों पर कर लगाने का मुद्दा उठाया. देवेंद्र जैन ने चायबागान के श्रमिकों की बदहाली पर सवाल किया तो रामअवतार सराफ ने कहा कि बंगाल की छवि जैसी होनी चाहिए, वैसी नहीं हुई. कुछ उद्योगपतियों ने छोटे-छोटे श्रमिक संगठनों द्वारा मालिकों को परेशान करने का मसला उठाया. कुल मिला कर संवाद सत्र में सरकार द्वारा हिंदी उद्योगपतियों पर ध्यान नहीं देने का मुद्दा केंद्रित रहा. जवाब में श्री चटर्जी ने कहा कि वह सबका सहयोग चाहते हैं. उन्होंने कोई भी समस्या होने पर सरकार से संपर्क करने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि सरकार हिंदीभाषी उद्योगपतियों की समस्याएं सुलझाने का हरसंभव प्रयास करेगी. वरिष्ठ पत्रकार उत्तम सेनगुप्ता ने कहा कि बंगाल में हिंदी को जितना सम्मान मिलना चाहिए उतना नहीं मिला है. हिंदी जाने बिना यहां के लोग बाहर जाकर काम नहीं कर सकते. राज्य का तभी विकास हो सकता है, जब सबको समान न्याय मिले. डॉ प्रभा खेतान ने भी कार्यक्रम में संस्था की भूमिका पर प्रकाश डाला.

हिन्दीभाषियों की समस्या के लिए मुख्यमंत्री से मिलेंगे सोमनाथ

कोलकाता, १८ जनवरी (न. प्र.)। माकपा के वरिष्ठ नेता तथा पश्चिम बंगाल उद्योग विकास निगम के चेयरमैन सोमनाथ चटर्जी ने आज आश्वासन दिया कि हिन्दीभाषियों की समस्या के समाधान के लिए वे व्यक्तिगत तौर पर मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से मिलेंगे। प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में पूछे गये प्रश्नों का जवाब उन्होंने हिन्दी में दिया। माध्यमिक परीक्षा में हिन्दी में प्रश्नपत्र नहीं दिये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसके बारे में वे अनजान थे। इस विषय में वे मुख्यमंत्री से बात करेंगे। उद्योग विकास, लाइसेंस तथा कर प्रणाली के सरलीकरण के संदर्भ में पूछे गये सवालों पर भी उन्होंने सरकार द्वारा उठाये गये कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहली बार उन्होंने किसी सभा में हिन्दी में वक्तव्य रखा है। इस परिचर्चा में टेलीग्राफ के सम्पादक उत्तम सेनगुप्त, छपते-छपते के संपादक विश्वम्भर नेवर, प्रभात खबर के सम्पादक ओम प्रकाश अश्क, फाउण्डेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. प्रभा खेतान, इंडियन चेम्बर ऑफ कामर्स की बंगाल शाखा के चेयरमैन शिशिर बाजोरिया, फाउण्डेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया, दिनेश बजाज सहित अन्य कई गण्यमान्य लोग शामिल हुए।

सन्मार्ग, 19, जनवरी, 2004

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित प. बंगाल औद्योगिक विकास निगम के चेयरमैन, सांसद श्री सोमनाथ चटर्जी से सीधी परिसंवाद गोष्ठी के अवसर लिए गए चित्र में श्री सोमनाथ चटर्जी वक्तव्य देते हुए तथा मंचस्थ हैं संयोजक श्री दिनेश बजाज, फाउंडेशन की प्रबन्ध न्यासी डॉ. प्रभा खेतान, इंडियन चेंबर की बंगाल शाखा के सभापति श्री शिशिर बाजोरिया, ट्रस्टी श्री संदीप भुतोड़िया, दि टेलीग्राफ (झारखण्ड) के संपादक श्री उत्तम सेन गुप्ता।

सन्मार्ग 20, जनवरी, 2004.

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित पश्चिम बंगाल उद्योग विकास निगम के चेयरमैन श्री सोमनाथ चटर्जी से सीधे वार्तालाप के अवसर पर लिए गए चित्र में श्री चटर्जी अपने विचार प्रकट करते हुए। पास ही चित्र में डा. प्रभा खेतान, श्री उत्तम सेनगुप्ता, श्री तिलोक बाजोरिया व संयोजक दिनेश बजाज परिलक्षित हैं। – विश्वमित्र चित्र

सुधर रही है राज्य में उद्योग-व्यापार की स्थिति : सोमनाथ

कोलकाता, १९ जनवरी (वा.सं.)। पश्चिम बंगाल में उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में अच्छी संभावनाएं हैं और यह क्रम बढ़ता जा रहा है। देशी और विदेशी उद्योगपति राज्य में निवेश की पेशकश की है तथा कुछ ने तो यहां कार्यारम्भ भी कर दिया है। आज भी मुम्बई के बाद कोलकाता देश का सबसे बड़ा व्यावसायिक केन्द्र बना हुआ है। उक्त कथन है पश्चिम बंगाल उद्योग विकास निगम के चेयरमैन सांसद सोमनाथ चटर्जी का जो कल यहां प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित सीधे वार्तालाप के समय व्यक्त किए। श्री चटर्जी ने सवालों के जवाब में कहा कि राज्य में हिन्दी भाषियों की समस्या के समाधान के लिए वे व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से बात करेंगे। इसमें माध्यमिक परीक्षा में हिन्दी में प्रश्नपत्र भी दिया जाना शामिल है। आपने अपनी इस वार्तालाप में लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उद्योग विकास लाइसेंसिंग प्रणाली के सरलीकरण पर विचार किया जायेगा। आपने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि हड़ताल करना मजदूरों का अधिकार है किन्तु सरकार इसके अंतिम हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की सलाह देती है। श्री चटर्जी ने अंत में कहा कि वह सभी का सहयोग चाहते हैं। राज्य के विकास के लिए उनसे जो भी बन पड़ेगा करेंगे। परिचर्चा में उत्तम सेनगुप्ता, डा. प्रभा खेतान, शिशिर बाजोरिया, विश्वम्भर नेवर, प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया, राजेश बिहानी, प्रकाश चांडलिया, संजय हरलालका, चंद्रकांत सराफ, राजकुमार शर्मा, रामअवतार सराफ आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन दिनेश बजाज ने किया जबकि स्वागत श्री तिलोक चंद डागा ने किया।

दैनिक विश्वमित्र ,20, JANUARY, 2004

सांसद सोमनाथ ने हिन्दी भाषियों को आश्वस्त किया

कोलकाता, 19 जनवरी (संवाददाता)। बोलपुर के वरिष्ठ सांसद, प. बंगाल औद्योगिक विकास निगम के चेयरमैन चटर्जी ने रविवार को अपराह्न हिन्दी भाषियों के साथ हिन्दी में उनकी समस्याओं पर बातचीत की। इसका आयोजन प्रभा खेतान फाउंडेशन की ओर से ग्रेट ईस्टर्न होटल के रजनीगंधा में किया था। फाउंडेशन की ओर से सुप्रसिद्ध लेखिका एवं उद्योगपति डा. प्रभा खेतान ने कहा कि गोष्ठी का उद्देश्य हिन्दीभाषियों को सत्ता के गलियारे से रूबरू कराना है ताकि वे खुलकर संवाद कर सकें। इसी तर्ज पर वे भविष्य में और भी आयोजन करेंगी।

सोमनाथ बाबू ने प्रथम अपने वक्तव्य में कहा कि प. बंगाल में भाषा, सम्प्रदाय, जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिन्दीभाषी समाज ने राज्य की प्रगति में अहम भूमिका निभाई है। वे हमें उतने ही प्रिय हैं जितने बंगला भाषी। उनकी समस्याओं पर हम विचार करेंगे। सभी का समाधान होगा, ऐसा मैं आश्वासन नहीं दे सकता किन्तु हम प्रयास कर सकते हैं।

उपस्थित व्यक्तियों ने हाल ही में जूट उद्योगपति का घंटों तक नृशंस घेराव, प्रबंधकों को पीटने जैसी घटनाओं का अपने वक्तव्य में उल्लेख करते हुए सोमनाथ बाबू से सवालों की झड़ी पैदा कर दी। हिन्दीभाषी छात्रों को प्रश्नपत्र हिन्दी में नहीं दिये जाते जिसके कारण वे परीक्षाओं में योग्यता के बावजूद पिछड़ जाते हैं का सवाल भी उठाया। श्री चटर्जी इन सबका बहुत संतोषजनक उत्तर तो नहीं दे पाये किन्तु उन्होंने यह कहा कि इनमें कुछ भी जानकारी उन्हें नहीं है फिर भी वे मुख्यमंत्री से बातचीत करेंगे। ट्रेड यूनियन संबंधी कई तीखे सवालों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यह समस्या दुर्भाग्यजनक है। मालिक व मजदूर के बीच बातचीत के माध्यम से समस्या का हल निकालने का प्रयास किया जाना चाहिए। भारत-पाकिस्तान के बीच

प्रभा खेतान फाउण्डेशन की गोष्ठी में बायें से पत्रकार उत्तम सेनगुप्ता, डा. प्रभा खेतान, सांसद सोमनाथ चटर्जी एवं उद्योगपति शिशिर बाजोरिया।

फोटो : छपते छपते

बातचीत हो सकती है तो मालिक-मजदूर के बीच में क्यों नहीं, उन्होंने प्रश्न किया। गंगासागर तीर्थयात्रियों पर लगाये गये कर एवं सेवा संस्थाओं को दिये जाने वाले द्विखंड भाड़ा में अप्रत्याशित वृद्धि का सवाल उठाया गया उसके जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार के पास पैसे नहीं है। कलकत्ता की प्रिन्टिंग प्रेसों के बिलों के भुगतान नहीं हुए इसके जवाब में भी उनका कहना था कि राज्य सरकार का खजाना खाली है।

इंडियन चेंबर के पूर्व अध्यक्ष श्री शिशिर बाजोरिया ने कहा कि प. बंगाल सरकार के रवैये से उद्योग जगत संतुष्ट है। उन्होंने विश्वास प्रकट किया कि प. बंगाल तेजी से औद्योगिक नक्शे में अपना पुराना स्थल ले रहा है।

बहस में जिन लोगों ने भाग लिया उनमें विश्वम्भर नेवर, रामअवतार सराफ, प्रकाश चंडालिया, संजय हरलालका, के. एल. महिपाल आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ पत्रकार उत्तम सेनगुप्ता ने किया। संयोजन में संदीप भुतोड़िया की विशेष भूमिका थी। श्री दिनेश बजाज ने कार्यक्रम का संचालन किया।

छपते छपते ,20, JANUARY, 2004

बुद्धदेव ने स्थिति स्पष्ट की

कोलकाता, २२ जनवरी (न. प्र.)। मुख्य मंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने हिन्दी भाषियों के प्रति दिये गये वक्तव्य पर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। पिछले दिनों इस संबंध में सांसद सोमनाथ चटर्जी का ध्यान आकृष्ट किया गया था। सोमनाथ चटर्जी ने प्रभा खेतान ट्रस्ट को दिये गये एक पत्र में कहा है कि हमने मुख्य मंत्री का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था तथा मुख्य मंत्री ने कहा कि हमारे कहने का मतलब यह था कि बंगलादेश और नेपाल से लोग यहां आकर बेरोजगारी बढ़ा रहे हैं। रोजगार की तलाश में पड़ोसी राज्यों से जो लोग यहां आते हैं, उनसे हमारा कोई विरोध नहीं है। एक राज्य के लोग दूसरे राज्य में जा सकते हैं। मैं बाल ठाकरे नहीं बनना चाहता।

सन्मार्ग , 23, जनवरी , 2004

मुख्यमंत्री ने सोमनाथ चटर्जी को बताया

पड़ोसी राज्यों से लोगों के बंगाल आने पर आपत्ति नहीं

कोलकाता, 22 जनवरी : मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने पड़ोसी राज्यों से लोगों के बंगाल आने के संबंध में कोई प्रतिकूल टिप्पणी करने से इनकार किया गया है. अलबत्ता पिछले दिनों उन्होंने नेपाल व बांग्लादेश से वहां अवैध रूप से आनेवालों के खिलाफ जरूर टिप्पणी की थी. उक्त बातें श्री भट्टाचार्य ने माकपा के नेता व सांसद सोमनाथ चटर्जी से कहीं. श्री चटर्जी ने प्रभा खेतान फाउंडेशन को भेजे गये पत्र में बताया कि मुख्यमंत्री ने जिक्र किया था कि बांग्लादेश व नेपाल से आनेवाले लोगों के कारण राज्य में समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं. दूसरे राज्यों से गरीब लोग अपनी जीविका की तलाश में बंगाल आते हैं. ऐसे लोगों के राज्य में आने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बंगाल में अन्य राज्यों से आनेवालों का स्वागत है. उन्होंने कहा कि वह बाल ठाकरे नहीं हैं, जो महाराष्ट्र जानेवाले गैर महाराष्ट्रियों को खदेड़ने की बात करते हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों के लोग यहां इज्जत और सम्मान के साथ रहते हैं.

प्रभात खबर , 23, जनवरी , 2004

अम्बुजा सीमेंट की तीसरी वर्षगांठ पर सकराइल में आयोजित समारोह के अवसर पर लिए गए चित्र में मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य, कंपनी के प्रबंध निदेशक हर्षवर्द्धन नेवटिया एवं उद्योगपति द्वय, श्री शिशिर बाजोरिया व श्री संदीप भूतोड़िया। विश्वमित्र चित्र

दैनिक विश्वमित्र,25 , जनवरी , 2004

हिंदी भाषियों की उपेक्षा नहीं : चंद्रकला

कोलकाता : हिंदी भाषी महासंघ व प्रभात खबर के परिचर्चा कार्यक्रम में वाम मोरचा के चेयरमैन विमान बोस की अनुपस्थिति में उनका प्रतिनिधित्व सांसद डॉ चंद्रकला पांडेय ने किया. श्री बोस को आना था, लेकिन व्यस्तताओं के कारण वह नहीं आ सके. डॉ पांडेय ने कहा कि बंगाल की सभ्यता और संस्कृति में बच्चों को मनुष्य बनाने पर जोर दिया जाता है. यहां की मनुष्य बनाने की संस्कृति ने लोगों को हर क्षेत्र में महान बनाया. अब किसी की हिम्मत नहीं है कि वह हिंदी भाषियों को छातू (सत्तू) कहे. जिस सत्तू को खाने के कारण यहां के बंगाली हिंदी भाषियों को हेय दृष्टि से देखते थे, अब वही सत्तू बंगालियों का प्रिय खाद्य बन रहा है. यानी बंगाली समाज ने भी हिंदी भाषियों का अनुकरण शुरू किया है. आज हर बांग्ला लेखक हिंदी में अपनी रचनाएं छपवाने के लिए लालायित है. इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि बंगाल में हिंदी भाषी उपेक्षित हैं. कुछ लोग समस्या को समझे बिना सरकार पर दोष मढ़ देते हैं. जूट मिलों में अधिक संख्या में हिंदी भाषी मजदूर हैं. मालिक भी हिंदी भाषी हैं. इसलिए भेद-भाव का सवाल ही नहीं उठना चाहिए. बंगाल भारत का ही अंग है. हिंदी भाषी महासंघ को बंगाली और हिंदी भाषी लोगों के बीच संबंध जोड़ने और परस्पर संवाद बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. करीब आने से ही समस्या का समाधान हो सकेगा. मुख्यमंत्री ने प्रवासियों के बारे में कुछ कहा और उनकी बात को बतंगड़ बना दिया गया. लेकिन संवाद शुरू हुआ तो मुख्यमंत्री ने साफ किया कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा.

हिंदी भाषी महासंघ और *प्रभात खबर* के संयुक्त तत्वावधा

शिक्षा के विकास के बिना हिंदी भा

कोलकाता, 24 जनवरी : हिंदी भाषी महासंघ और प्रभात खबर के संयुक्त तत्वावधान में *बंगाल के विकास में हिंदी भाषियों के योगदान* विषय पर आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने आम राय से माना कि हिंदीभाषियों के योगदान के बिना बंगाल के विकास की कल्पना ही नहीं की जा सकती. हिंदी भाषी अगर कहीं अपने योगदान का आकलन कम देखते हैं तो इसकी वजह यहां के लोगों की मंशा नहीं, बल्कि अज्ञानता है और यह अज्ञानता उनसे संवाद और अंतरंगता बढ़ा कर ही दूर की जा सकती है. वक्ताओं की दूसरी चिंता बंगाल में बसे हिंदी भाषियों की शिक्षा को लेकर उभरी. सभी ने माना कि शैक्षिक रूप से समृद्ध होने पर ही विकास संभव है. इसके लिए महासंघ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सभी ने सराहना की. मालूम हो कि महासंघ ने 30 मेधावी सह गरीब छात्रों को प्रतिमाह ढाई सौ रुपये छात्रवृत्ति देने का फैसला किया है.

कार्यक्रम में उपस्थित उद्योगपति शिशिर बाजोरिया ने कहा कि बंगाल के विकास में हिंदी और हिंदी भाषियों का योगदान एक ऐतिहासिक है. बंगाल में हिंदी भाषियों का योगदान है और रहेगा. विभिन्नता में एकता ही बंगाल का परिचय है. देश में कोई भी प्रांत ऐसा नहीं है, जिसका प्रतिनिधि यहां न हो. बंगाल में, खासकर कोलकाता में हिंदी भाषी उद्योगपतियों को जो अपनापन मिला है, वैसा कहीं नहीं मिलता.

पत्रकार विभंभर नेवर ने सीएमडीए

प्रभात खबर ,25 , जनवरी , 2004

26 A

हिंदी भाषियों की उपेक्षा नहीं : चंद्रकला

कोलकाता : हिंदी भाषी महासंघ व प्रभात खबर के परिचर्चा कार्यक्रम में वाम मोरचा के चेयरमैन विमान बोस की अनुपस्थिति में उनका प्रतिनिधित्व सांसद डॉ चंद्रकला पांडेय ने किया. श्री बोस को आना था, लेकिन व्यस्तताओं के कारण वह नहीं आ सके. डॉ पांडेय ने कहा कि बंगाल की सभ्यता और संस्कृति में बच्चों को मनुष्य बनाने पर जोर दिया जाता है. यहां की मनुष्य बनाने की संस्कृति ने लोगों को हर क्षेत्र में महान बनाया. अब किसी की हिम्मत नहीं है कि वह हिंदी भाषियों को छातू (सत्तू) कहे. जिस सत्तू को खाने के कारण यहां के बंगाली हिंदी भाषियों को हेय दृष्टि से देखते थे, अब वही सत्तू बंगालियों का प्रिय खाद्य बन रहा है. यानी बंगाली समाज ने भी हिंदी भाषियों का अनुकरण शुरू किया है. आज हर बंगला लेखक हिंदी में अपनी रचनाएं छपवाने के लिए लालायित है. इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि बंगाल में हिंदी भाषी उपेक्षित हैं. कुछ लोग समस्या को समझे बिना सरकार पर दोष मढ़ देते हैं. जूट मिलों में अधिक संख्या में हिंदी भाषी मजदूर हैं. मालिक भी हिंदी भाषी हैं. इसलिए भेद-भाव का सवाल ही नहीं उठना चाहिए. बंगाल भारत का ही अंग है. हिंदी भाषी महासंघ को बंगाली और हिंदी भाषी लोगों के बीच संबंध जोड़ने और परस्पर संवाद बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. करीब आने से ही समस्या का समाधान हो सकेगा. मुख्यमंत्री ने प्रकाशियों के बारे में कुछ कहा और उनकी बात को बतंगड़ बना दिया गया. लेकिन संवाद शुरू हुआ तो मुख्यमंत्री ने साफ किया कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा.

हिंदी भाषी महासंघ और प्रभात खबर के संयुक्त तत्वावधा

शिक्षा के विकास के बिना हिंदी भा

कोलकाता, 24 जनवरी : हिंदी भाषी महासंघ और प्रभात खबर के संयुक्त तत्वावधान में *बंगाल के विकास में हिंदी भाषियों के योगदान* विषय पर आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने आम राय से माना कि हिंदीभाषियों के योगदान के बिना बंगाल के विकास की कल्पना ही नहीं की जा सकती. हिंदी भाषी, अगर कहीं अपने योगदान का आकलन कम देखते हैं तो इसकी वजह यहां के लोगों की मंशा नहीं, बल्कि अज्ञानता है और यह अज्ञानता उनसे संवाद और अंतरंगता बढ़ा कर ही दूर की जा सकती है. वक्ताओं की दूसरी चिंता बंगाल में बसे हिंदी भाषियों की शिक्षा को लेकर उभरी. सभी ने माना कि शैक्षिक रूप से समृद्ध होने पर ही विकास संभव है. इसके लिए महासंघ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सभी ने सराहना की. मालूम हो कि महासंघ ने 30 मेधावी सह गरीब छात्रों को प्रतिमाह ढाई सौ रुपये छात्रवृत्ति देने का फैसला किया है.

कार्यक्रम में उपस्थित उद्योगपति शिशिर बाजोरिया ने कहा कि बंगाल के विकास में हिंदी और हिंदी भाषियों का योगदान एक हकीकत है. बंगाल में हिंदी भाषियों का योगदान है और रहेगा. विभिन्नता में एकता ही बंगाल का परिचय है. देश में कोई भी प्रांत ऐसा नहीं है, जिसका प्रतिनिधि यहां न हो. बंगाल में, खासकर कोलकाता में हिंदी भाषी उद्योगपतियों को जो अपनापन मिला है, वैसा कहीं नहीं मिलता.

पत्रकार विजेभा नेवर ने सीएमडीए

प्रभात खबर ,25 , जनवरी , 2004

26(B)

न में आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं की राय

षेयों का उत्थान संभव नहीं

पस्थित श्रोता

की सर्वे रिपोर्ट के हवाले से बताया कि कोलकाता में 67 प्रतिशत आबादी गैर बंगाली लोगों की है, जिसमें ज्यादातर हिंदी भाषी है. इसी से कोलकाता के विकास में हिंदी भाषियों के योगदान का अंदाजा लगाया जा सकता है. जितनी इज्जत और सम्मान के साथ यहां कोई रह सकता है, उतना और जगह संभव नहीं. यहां जो भी आया, वह आदमी बन गया.

पत्रकार अरविंद चतुर्वेद ने कहा कि कोलकाता के इंद्रधनुषी रंग में हिंदी भाषियों ने भी रंग मिलाये हैं. कोलकाता की संस्कृति में जितना अपनापन का भाव है, उतना और कहीं नहीं है. यहां से जो हिंदी भाषी अपने गांव लौटता है, वह अपने दिल में एक कोलकाता भी ले जाता है.

पत्रकार कृपाशंकर चौबे ने कहा कि हिंदी और हिंदी भाषी जितने उदार हैं, बांग्लाभाषी उतने नहीं. हिंदी में प्रेमचंद का जितना महत्व है, उतना ही महत्त्व रवींद्रनाथ टैगोर और शरतचंद्र का भी है. लेकिन हिंदी का कोई कवि या लेखक मरता है तो बांग्ला के अखबार उसे जगह नहीं देते. समाजसेवी [illegible] लखा ने कहा कि बंगाल की संस्कृति से हिंदी भाषियों का गहरा रिश्ता है. यहां से जो लोग बाहर गये वे कोलकाता को नहीं भूल पाये. उद्योगपति संदीप भूतोड़िया ने स्वागत भाषण किया. महासंघ के सचिव एनके मिश्रा ने संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और धन्यवाद ज्ञापन किया अध्यक्ष वागेश्वर सिंह ने. संचालन ओमप्रकाश अश्क ने किया.

बंगाल में भेदभाव नहीं : वाजपेयी

कोलकाता : पुलिस महानिदेशक दिनेशचंद्र वाजपेयी ने कहा कि बंगाल की कला और संस्कृति सहित हर क्षेत्र के विकास में हिंदी भाषियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. खासकर कोलकाता महानगर के औद्योगिक और आर्थिक विकास में हिंदी भाषियों की महत्वपूर्ण भूमिका है. सरकारी सेवा में भी हिंदी भाषियों का काफी योगदान है. गैर बंगाली सरकारी अधिकारियों को स्थानीय दबाव की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है. बंगाल में सबको अपनी बात कहने की स्वतंत्रता है. यहां हिंदी भाषियों की प्रतिभा का सही मूल्यांकन हुआ है. 40 वर्षों से मैं बंगाल में हूं. मेरी जिंदगी का ज्यादा समय यहीं बीता. इसलिए बंगाल को ही मैं अपना घर मानता हूं.

शिक्षा पर जोर दें हिंदी भाषी : शंभुनाथ

कोलकाता : डॉ शंभुनाथ ने कहा कि हिंदी भाषियों [illegible] कराना बड़ा मुश्किल काम है. यही हिंदी भाषियों की दुर्दशा का कारण भी है. फूट और बैर हिंदी [illegible] के लिए मेवा है, लेकिन हिंदी भाषी अब इस मानसिकता से उबर रहे हैं. इसमें कोई दो राय नहीं कि कोलकाता के विकास में हिंदी भाषियों का खून-पसीना लगा है. एक जमाने में हिंदी भाषी आंसू की नदी पार कर यहां आते थे. आज स्थिति यह है कि पसीने की नदी पार कर वापस लौट रहे हैं. वैश्वीकरण की वजह से ही क्षेत्रीयता और स्थानीयता की समस्या पैदा हो रही है. हिंदी भाषी महासंघ को हिंदी स्कूलों में शिक्षा का स्तर बढ़ाने और जरूरतमंद छात्रों की मदद का अभियान चलाना चाहिए.

अंबुजा सीमेंट ईस्टर्न लिमिटेड द्वारा संकरैल में आयोजित समारोह में पुस्तक का विमोचन करते हुए मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य, कंपनी के प्रबंध निदेशक हर्षवर्द्धन नेवटिया व अध्यक्ष सुरेश नेवटिया. दायें- फुटबॉल खिलाड़ी पीके बनर्जी से हाथ मिलाते मुख्यमंत्री. साथ में समाजसेवी संदीप भूतोड़िया व शिशिर बाजोरिया.

प्रभात खबर ,26 , जनवरी , 2004

Interaction

■ An interactive session with Shishir Bajoria, Sanjiv Goenka and Harshavardhan Neotia on 'Development of Entrepreneurship' at Great Eastern Hotel, 5.30 pm.

METRO,30,JANUARY , 2004

প্রভার প্রভা

কলকাতা ও পশ্চিমবঙ্গের জীবনে মারোয়াড়ি সম্প্রদায়ের অবদানের তো কোনও সীমা-পরিসীমা নেই। তবে সে-প্রসঙ্গ উঠলেই সবাই কীরকম মারোয়াড়ি ব্যবসায়ীদের দিকে ঘুরে তাকান। সানন্দা-র নিবেদন, এবার একটু ঘুরে একজন লেখিকার দিকে নজর ফেলুন, যিনি কলকাতার ওই সমাজের এক জাগ্রত বিবেকের মতো হয়ে উঠেছেন দিনে দিনে। প্রভা খৈতান। এমনিতেই ওঁর সমাজে উনি তো এক অনন্যা বিশেষ কারণে—প্রভা চিরকুমারী; তার ওপর এক আশ্চর্য ব্যবসায়িক সাফল্য অর্জনের পর তিনি অক্লেশে বাণিজ্যপাট চুকিয়ে চলে গেছেন কবিতা গল্প উপন্যাসের নির্জন জগতে। এই যে কলকাতায় এখন নারীর স্বাস্থ্য আর দেহসৌষ্ঠব নিয়ে এত হইহই রইরই এ-সবের সূত্রপাতই কিন্তু সাতের দশকে মার্কিন দেশ ফেরত ড. প্রভা খৈতানের উদ্যোগে। কে ভুলতে পারে 'ফিগারেট' স্লিমিং সেন্টারের সেই রমরমার দিনগুলো? তবে কি, আমেরিকা ফেরত ড. খৈতানের ডক্টরেট মেডিসিন বা বিউটি থেরাপিতে ছিল না, ছিল—আবার দম ধরে রাখুন—দর্শনশাস্ত্রে। প্রেসিডেন্সি কলেজের কৃতী ছাত্রী প্রভার ফিলোজফিতে ডক্টরেট কলকাতা বিশ্ববিদ্যালয় থেকে। আর ডক্টরেটের থিসিসের বিষয়?—জঁ্য পল সার্ত্র ও অস্তিত্ববাদ।

তাঁর সফল বাণিজ্যিক উদ্যোগের চেয়ে প্রভা খৈতানের অনেক শ্লাঘা ওই উদ্যোগে নেমে যে-সব মানুষের সান্নিধ্যে এসেছিলেন তাদের স্মৃতি। 'ফিগারেট' ছাড়াও এক রফতানি সংস্থা ছিল প্রভার। সেই রফতানির সামগ্রী তৈরি হত যাদের হাতে সেই কারিগররা ছিল ওঁর বন্ধু ও সঙ্গী। পরে সেই সব স্মৃতি টুকটুক করে ঢুকে পড়ে ওঁর নানা উপন্যাসে। যার মধ্যে লক্ষণীয় খ্যাতি 'মরুঝড়', 'তালাবন্দী', 'আপনে আপনে চেহরে', 'আও পেপে ঘর চলে' ইত্যাদির। 'অপরিচিত উজালে', 'সিড়িয়া চড়তী হুঁ মাঁয়' কি 'এক টুক আকাশ কী খোঁজ মেঁ' ইত্যাদি কাব্যগ্রন্থের রচয়িতা প্রভা খৈতানের গদ্যের মধ্যেও একটা কাব্যিক টান লুকিয়ে থাকে।

SANANDA, 30, JANUARY , 2004

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक सार्थक परिसंवाद गोष्ठी के अवसर पर लिए गये चित्र में युवा उद्योगपति गण श्री संजीव गोयनका, श्री हर्ष नेवटिया, श्री शिशिर बाजोरिया, प्रबंध न्यासी उद्योगपति, लेखिका डॉ. प्रभा खेतान, संयोजक-संचालन श्री दिनेश बजाज (प्रमुख संपादक एक नजर टी. वी. न्यूज), ट्रस्टी श्री संदीप भुतोड़िया, सहसंयोजक श्री राजेश बिहानी

सन्मार्ग, 31, जनवरी , 2004

HANMER & PARTNERS

Client:

Publication :	Date:
Edition:	Page No.
Circulation:	Media Evaluation : Rs:

औद्योगिकता की कोई सीमा नहीं : संजीव

कोलकाता, ३० जनवरी (सं)। आरपीजी इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष संजीव गोयनका ने कहा कि औद्योगिकता की कोई सीमा नहीं है। इस क्षेत्र में सफलता के लिए सर्जनात्मक व योग्यता की कमी नहीं है, बल्कि आत्म विश्वास की कमी है। जिन दिन ये भरोसा हासिल कर लेगा उसी दिन औद्योगिकता का विकास होगा। उन्होंने कहा कि कठोर परिश्रम, लगन व आत्म विश्वास से उद्यमी अपने सपने को साकार कर सकता है। 'प्रभा खेतान फाउंडेशन' की ओर से आयोजित परिचर्चा 'उद्यमशीलता का विकास' विषय पर उद्योगपति हर्षवर्धन नेवटिया ने कहा कि उद्योगपति में कोई भी खतरा मोल लेने की क्षमता व कामयाबी का आत्मविश्वास होना चाहिए। अगर उद्योगपति के कामकाज पर लोग टिप्पणी करते हैं या उसे पागल कहते हैं तो उसे निराश होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि औद्योगिकता की प्रगति के लिए कुशाग्र बुद्धि, तत्काल निर्णय, कल्पनाशीलता और बेहतर करने की ललक होना जरूरी है। उद्योगपति शिशिर बाजोरिया ने कहा कि रोजमर्रा के जीवन में लोगों की क्या आवश्यकता है, इस पर विचार करते हुए ही कोई व्यापार खोला जाना चाहिए और कड़ी मेहनत से उद्योग को सफल बनाया जा सकता है। प्रभा खेतान ने बंगाल में व्यापार की बढ़ती संभावनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि वक्त साथ-साथ औद्योगिक परिस्थितियां भी बदली हैं। कार्यक्रम में उद्योगपति रूसी मोदी, तिलोक चंद डागा, सीताराम शर्मा व संदीप भूतोड़िया समेत कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन दीनेश बजाज ने किया।

प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित परिचर्चा में युवा उद्योगपतियों ने सिखाये उद्यमशीलता के गुर

कोलकाता, 30 जनवरी। प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित परिचर्चा 'उद्यमशीलता का विकास' पर बोलते हुए जाने माने युवा उद्योगपति तथा आर पी गोयनका इण्टरप्राइजेज के चेयरमैन संजीव गोयनका ने कहा कि उद्यमशीलता सिर्फ व्यापार करना और उद्योग चलाना नहीं है, बल्कि यह एक जीवन दृष्टि, एक स्वप्न है। गोयनका ने कहा कि हिम्मत, साहस, लगन तथा कुछ विशेष कर गुजरने की धुन ही उद्यमशीलता का दूसरा नाम है। ग्रेट इस्टर्न होटल में आयोजित इस खुली परिचर्चा में शहर के वरिष्ठ बुद्धिजीवियों, पत्रकारों तथा उद्यमियों ने हिस्सा लिया। राज्य के दूसरे विशिष्ट उद्योगपति तथा अंबुजा सीमेंट के प्रबंध निदेशक हर्षवर्द्धन नेवटिया ने बहुत ही सुलझे तथा रोचक तरीके से उद्यमशीलता के मूल तत्वों की व्याख्या की। श्री नेवटिया ने बताया कि उद्यमशील व्यक्ति एक स्वप्न द्रष्टा होने के साथ ही साथ कुशल नेतृत्व का स्वामी और जोखिम से जूझने का आदी होता है। उन्होंने कहा कि हर उद्यमी व्यक्ति को जीवन में कुछ न कुछ सुअवसर अवश्य मिलते है, परन्तु वह उससे अपनी क्षमता और स्तर के अनुरूप ही लाभान्वित हो पाता है। परिचर्चा में आमंत्रित तीसरे युवा उद्योगपति तथा आईएफजीएल रिफ्रैक्ट्रीज लि. के एम डी शिशिर बाजोरिया ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस खुली परिचर्चा और परिसंवाद में वहां उपस्थित श्रोताओं ने भी खुल कर हिस्सा लिया। एक वरिष्ठ बुद्धिजीवी द्वारा परिचर्चा में उपस्थित उद्योगपतियों से यह पूछे जाने पर कि पहले के उद्योगपतियों की कुछ सामाजिक प्रतिबद्धताएं हुआ करती थी परन्तु आज के उद्यमियों का सामाजिक सरोकार कम क्यों होता जा रहा है। इस प्रश्न के उत्तर में नेवटिया ने कहा कि परिस्थितियां भले ही बदल गयी है, परन्तु सामाजिक प्रतिबद्धताएं आज भी पूरा किये जाने की चेष्टाएं की जाती है। इस परिचर्चा में एक प्रश्न यह भी उठा कि वहां उपस्थित उद्योगपति राज्य सरकार के काफी नजदीक है, अतः उन्हें अन्य उद्योगपतियों की तुलना में राज्य सरकार से ज्यादा तवज्जो मिलती है। इसका खंडन करते हुए श्री नेवटिया और गोयनका ने अलग-अलग कहा कि ये बातें कोई नयी नहीं है, परन्तु हमें यदि राज्य सरकार से मुख्य रूप से कोई समर्थन मिलता है, तो वह सिर्फ कानून व्यवस्था की दिशा में। इसके अतिरिक्त हम नियम कानूनों के अधीन काम करते है, और राज्य सरकार हमें उसी रूप में सहयोग प्रदान करती है। कुछ लोगों ने श्री गोयनका से सीईएसई के द्वारा होने वाली असुविधाओं का भी जिक्र किया जिसे उन्होंने दूर करने का आश्वासन दिया। परिचर्चा का संचालन प्रभा खेतान फाउण्डेशन की प्रबंध न्यासी प्रभा खेतान ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउण्डेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया तथा राजेश बियानी की विशिष्ट भूमिका रही। परिचर्चा में गौतेश शर्मा, टाटा स्टील के पूर्व अध्यक्ष, रूसी, मोदी, भानीराम सुरेका, प्रभात खबर के संपादक ओम प्रकाश सहित कई गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित परिचर्चा उद्यमशीलता का विकास में बोलते हुए युवा उद्योगपति श्री हर्ष नेवटिया, शिशिर बाजोरिया, फाउण्डेशन की प्रबंध न्यासी डा. प्रभा खेतान एवं संजीव गोयनका।

छपते छपते ,31, जनवरी , 2004

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा उद्यमशीलता का विकास पर आयोजित परिचर्चा के अवसर पर लिया गया चित्र। -विश्वमित्र चित्र

उद्योगपतियों ने दिया उद्यमशीलता में अग्रसर होने का मूल-मंत्र

कोलकाता, ३० जनवरी (वि.प्र.)। व्यापार एवं उद्योग जगत की जानी मानी हस्तियों ने उद्यमशीलता में आगे बढ़ने के लिए दृढ़ आत्मविश्वास, लगन, प्रोत्साहन और बेहतरीन नेतृत्व की आवश्यकता पर बल दिया। प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा 'उद्यमशीलता का विकास' विषय पर आयोजित एक वार्ता-सत्र को सम्बोधित करते हुए श्री गोएनका ने आगे कहा कि उद्यमशीलता विकास, साहस, लगन, प्रोत्साहन और नेतृत्व का ही नाम है। इसमें सफल होने के लिए जरूरी है सृजनात्मकता और आत्मविश्वास। उद्यमशीलता पर अपने विचार रखते हुए आईएफजीएल रिफ्रेक्टरीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शिशिर बाजोरिया ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। बदलाव से ज्यादा स्थाई आज कुछ भी नहीं है इसलिए उद्यमियों को चाहिए कि वे आज की जरूरत को देखते हुए उपलब्ध नई तकनीकों के साथ कोई कारोबार करें। श्री बाजोरिया ने इस धारणा को भी गलत बताया कि उद्योगपति प्रथम श्रेणी और व्यापारी दूसरी श्रेणी से हैं। अंबुजा सीमेंट इस्टर्न लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हर्षवर्द्धन नेवटिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि उद्यमी सपनों के सौदागर की तरह होने चाहिए। हां, उनके सपने वास्तविक हो सकने जैसे जरूर होने चाहिए तभी उद्यमशीलता की दिशा में वे आगे बढ़ सकते हैं। उद्यमियों में जोखिम उठाने की योग्यता और आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा होना चाहिए और उन्हें विरोधी भावों से निराश नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अक्सर अवसर ऐसे समय उद्यमियों के पास आते हैं जब वह इसके लिए तैयार नहीं होता। अत: उद्यमियों में हर मौके पर खुद निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। निर्णय बुद्धिसंगत भी होना जरूरी है। कार्यक्रम का संयोजन श्री दिनेश बजाज ने किया जबकि अतिथियों का परिचय डा. प्रभा खेतान ने दिया।

दैनिक विश्वमित्र, 31, जनवरी , 2004

35(B)

संदीप भूतोड़िया के दो दिवसीय दिल्ली प्रवास के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में लिये गये चित्रों में उनके साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री लाल, सांसद प्रेम गुप्ता व उद्योगपति मूलचंद मालू.

35(A)

जैन स्तंभ श्रीचंद नाहटा, जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष तिलोकचंद डागा व अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष मंत्री सुषमा स्वराज, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, सपा महासचिव अमर सिंह, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन सिंह, किसान नेता

प्रभात खबर, 25, फरवरी, 2004

36(A)

जैन स्तम्भ श्री चन्द नाहटा, जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष तिलोकचन्द डागा व अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया के दो। पार्श्व, सपा महासचिव अमर सिंह, कांग्रेस (ई) के वरिष्ठ नेता अर्जुन सिंह, किसान नेता बंसीलाल, सांसद प्रेम गुप्ता व उद्योगपति मूलचन्द मालू।

दैनिक विश्वमित्र, 25, फरवरी, 2004

संदीप भूतोड़िया के दो दिवसीय दिल्ली प्रवास के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में लिये गये चित्रों में उनके साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री बंसीलाल, सांसद प्रेम गुप्ता व उद्योगपति मूलचंद मालू.

नयी दिल्ली में एक समारोह में राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के साथ अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा अध्यक्ष सन्दीप भूतोड़िया, जैन संस्कृति संसद अध्यक्ष तिलोकचंद डागा, उद्योगपति मूलचन्द मालू व सांसद प्रेम गुप्ता।

सन्मार्ग, 25 , फरवरी , 2004

उपराष्ट्रपति निवास, दिल्ली में उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावत के साथ प्रभा खेतान फाउण्डेशन के न्यासी सन्दीप भूतोड़िया, जैन संस्कृति संमद अध्यक्ष तिलोकचन्द डागा एवं जैन स्तम्भ श्रीचन्द नाहटा।

सन्मार्ग, 26 , फरवरी , 2004

उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावत के साथ उपराष्ट्रपति निवास नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष सन्दीप भूतोड़िया, जैन स्तम्भ श्रीचन्द नाहटा, समाजसेवी तिलोकचन्द डागा एवं विजय नाहटा।

दैनिक विश्वमित्र, 26 , फरवरी , 2004

राजधानी दिल्ली में राजद सुप्रीमो श्री लालू प्रसाद यादव के साथ मंत्रणा करते कोलकाता के युवा समाजसेवी व उद्योगपति संदीप भूतोड़िया।

दैनिक विश्वमित्र, 29 , फरवरी , 2004

टिकट पाने की कवायद. दिल्ली में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के साथ उद्योगपति व समाजसेवी संदीप भूतोड़िया

उत्तर पश्चिम सीट पर मारामारी

कोलकाता, 29 फरवरी : पश्चिम बंगाल में अगर कहीं चुनाव की ज्यादा सरगर्मी है तो वह है कोलकाता उत्तर पश्चिम की सीट. अभी तक अधिकृत तौर पर किसी दल ने इस सीट से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन कुछ अपनी उम्मीदवारी पक्की मान रहे हैं तो कुछ अपनी गोटी बिठाने में लगे हैं. वाम मोरचा ने यह सीट माकपा के कोटे में छोड़ी है. माकपा ने इसे तालमेल के तहत राष्ट्रीय जनता दल के लिए छोड़ देने का मन बना लिया है, लेकिन माकपा की परेशानी यह है कि राजद बंगाल की इस एक सीट के बदले बिहार में दो सीटें उसे देने को तैयार नहीं है. इधर इस सीट से पूर्व में जीते तृणमूल के सुदीप बंद्योपाध्याय को पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने टिकट देने से इनकार कर दिया है. लेकिन आश्चर्य यह है कि सुदीप बंद्योपाध्याय अब भी पार्टी से उम्मीद लगाये बैठे हैं और बार-बार कह रहे हैं कि पार्टी द्वारा आधिकारिक तौर पर सूची जारी हो जाने के बाद ही वह अपना पत्ता खोलेंगे. उनका पत्ता क्या हो सकता है, इसके लिए दूसरे दलों ने भी अटकलों की काफी गुंजाइश छोड़ दी है. कांग्रेस ने राज्य में बाकी सीटों के लिए जब उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दिया तो उसने इस सीट पर किसी नाम की घोषणा नहीं की है. इससे एक अटकल यह हो सकती है कि सुदीप कहीं कांग्रेस में तो नहीं जा रहे. दूसरी अटकल यह है कि वह निर्दलीय से खड़ा होंगे. ऐसा उन्होंने कई दफा कहा भी है. सुदीप का अपने कामधाम और जनसंपर्क के कारण क्षेत्र में काफी दबदबा है. इसके बावजूद तृणमूल के अंतरकलह को देखते हुए हर तीसरा आदमी अपनी किस्मत यहां आजमाना चाहता है. पता नहीं, दो के झगड़े में कहीं किस्मत साथ दे जाये. ऐसे किस्मत आजमानेवाले राजद, वाम मोरचा समर्थित और दूसरे दलों के टिकट पर भी एक बार किस्मत आजमाना चाहते हैं. कुछ राजद का टिकट पाने की होड़ में हैं तो कुछ को इसके लिए पटाने में लगे हैं कि वह माकपा को बिहार में दो सीटें न दे. ऐसा चाहनेवालों की मंशा यह है कि तब तालमेल नहीं होगा और शायद उन्हें माकपा के समर्थन से उम्मीदवार बनने के मौका मिल जाये. ऐसे लोगों में उद्योगपति शिशिर बाजोरिया का नाम लिया जा रहा है. बताया जाता है कि राजद सुप्रीमो उन्हें अपनी ही पार्टी से इस सीट पर उम्मीदवार बनाना चाहते हैं कि लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं है. उनके करीबी लोगों का कहना है कि पिछले चुनाव में राजद उम्मीदवार को मिले मत देख कर किसी की हिम्मत नहीं पड़ सकती. अलबत्ता राजद और माकपा समर्थन कर दें तो वह निर्दलीय भी इस क्षेत्र से उम्मीदवार बन सकते हैं. जनता दल सेकुलर ने भी अपना उम्मीदवार इस क्षेत्र से देने की घोषणा की है. सुदीप और उनकी ही पार्टी के सुव्रत मुखर्जी के अलावा इस सीट से लड़ने के लिए सबसे ज्यादा बेताब व्यवसायी तबके के लोग हैं. उनका मानना है कि इस क्षेत्र में व्यवसायियों के वोट भावने रखते हैं और दो के झगड़े के बीच कोई सशक्त व्यवसायी उम्मीदवार किसी दल या निर्दलीय भी उतर जाये तो बाजी मार ले जा सकता है. इस क्रम में शिशिर बाजोरिया जहां बेताब दिखते हैं, वहीं युवा उद्योगपति संदीप भूतोड़िया भी जुगत भिड़ा रहे हैं. हाल ही में दिल्ली में उन्होंने लालू प्रसाद के साथ जिस तरह अचानक नजदीकी बढ़ायी, उससे यह साफ है कि वह राजद के टिकट का प्रयास कर रहे हैं. तीसरे व्यवसायी उम्मीदवार जद (सेक्यूलर) से व्यवसायियों के नेता महेश सिहानिया बनना चाहते हैं. कांग्रेस से सज्जन सर्राफ और विश्वंभर नेवर की अटकलें पहले से ही लगायी जा रही हैं.

1 मार्च प्रभात खबर 2004

सजीव हो उठी शेखावाटी अंचल की बहुरंगी लोक संस्कृति

चूरू, 9 मार्च (निसं.)। ढप की थाप, घुंघरूओं की झनकार व बांसुरी की स्वर लहरियों के बीच 20वां शेखावाटी महोत्सव सोमवार रात्रि को सम्पन्न हुआ। राजस्थान पत्रकार संघ (जार) चूरू व प्रभा खेतान फाउण्डेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान एवं लोक कलाकार स्व. हरिप्रसाद ओझा की स्मृति में आयोजित रंगारंग महोत्सव में शेखावाटी अंचल की बहुरंगी लोक संस्कृति सजीव एवं साकार हो उठी। हजारों दर्शकों ने चार घंटे तक सुहानी फागुनी बयार के बीच होली के धमाल गीतों व चंग नर्तकों के मोह लेने वाले नृत्यों का आनंद लिया। अंचल की लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु चंग नृत्य प्रतियोगिता के रूप में संयोजए गए। वृहत आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता डॉ. बी.डी. कल्ला ने चंग बजाकर किया। डॉ. कल्ला ने चूरू अंचल को सांस्कृतिक नगरी बताते हुए कहा कि मरु प्रदेश की लोक संस्कृति विश्व प्रसिद्ध है, क्योंकि यहां हर पर्व अवसर विशेष के अपने लोकगीत हैं और इन लोक गीतों का अपना सांस्कृतिक महत्व है। कृष्ण ढप मंडली चूरू के चंग नृत्य से इस मनोहारी आयोजन का शुभारंभ हुआ। बाल कलाकार राकेश सोनी ने 'सतरंगों फागणियो' लोकगीत पर नृत्य की मनमोहक अदाओं से प्रभावित किया। सुजानगढ़ गिंदड़ पार्टी ने लय तालबद्ध गिंदड़ नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शंकर कैसेट्स जयपुर की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। इस दल की कमला सपेरा ने सपेरा नृत्य में शारीरिक लोच व चक्रासन की मुद्राओं से दर्शकों को रोमांचित किया। कविता डांगी के लोकगीतों 'बन्ना रे बागां में झूला घ्याला', 'जुल्मी धीरे बोल', 'लागी रे लागी तनै कुण की नजर लागी', 'होल्यां में उड़ा रे गुलाल' की सरस प्रस्तुतियों के साथ मीनाक्षी डांगी के भावपूर्ण नृत्य की थिरकन पर जनसमूह भी थिरक उठा।

गायक, वादन, नृत्य की समन्वित प्रस्तुतियों से सराबोर चंग प्रतियोगिता में कृष्ण ढप मंडली चूरू, बालाजी ढप मंडली चंगोई, सुभाष ढप मंडल रतननगर, करणपुरा ढप मंडली करणपुरा रामलीला चौक कला मंच बिसाऊ, आजाद ढप मंडली रतननगर, सुजानगढ़ ढप मंडली, शिव भक्त मंडल रामगढ़, रंगीलो राजस्थान मंडली, रामगढ़ के चंग दलों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही ढप मंडलियों को पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में श्रेष्ठ गायक, श्रेष्ठ मेहरी, श्रेष्ठ चंग वादक व श्रेष्ठ बांसुरी वादक को भी प्रत्येक को पुरस्कृत किया गया।

शेखावाटी विशेष , 10, मार्च , 2004

20वां शेखावाटी महोत्सव सम्पन्न

चूरू 9 मार्च (नि.स.) ढप्प की थाप व बांसुरी की सुरीली स्वर लहरीयों के बीच 20वां शेखावाटी महोत्सव यहां सोमवार की रात्री को सम्पन्न हुआ। राजस्थान पत्रकार संघ (जार) चूरू व प्रभा खेतान फाउण्डेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान एवं लोककलाकार स्व. हरिप्रसाद औझा की स्मृति में आयोजित इस रंगारंग महोत्सव में शेखावाटी अंचल की लोक संस्कृति साकार हो उठी। 10 हजार से अधिक दर्शकों ने 4 घण्टें तक कार्यक्रम का आनन्द लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता डॉ. बी.डी. कल्ला ने चंग बजाकर किया। अपने उद्बोधन में डॉ. कल्ला ने चूरू अंचल को सांस्कृतिक नगरी बताते हुए कहा कि मरूप्रदेश की लोक संस्कृति विश्व प्रसिद्ध है क्योकि यहां हर पर्व अवसर विशेष के अपने लोकगीत है और इन गीतों का अपना एक सांस्कृतिक महत्व है।

कृष्ण ढप्प मण्डली चूरू के चंग नृत्य से इस मनोहरी आयोजन का शुभारंभ हुआ। सुजानगढ़ गीदंड़ पार्टीने लय ताल वद्‌ गींएंड़ नृत्य की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शंकर कैसेटस जयपुर की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। इस दल की कमला सपेरा ने सपेरा के नृत्य में दर्शकों को रोमाचित किया।

गायन वादन नृत्य की समन्वित प्रस्तुतियों से सरोबार चंग में कृष्ण ढप्प मण्डली चूरू, बालाजी ढप्प मण्डली चांगोई, सुभाष ढप्प मण्डली रतननगर, करणपुरा ढप्प मण्डली करणपुरा, रामलीला चौक कला मंच बिसाऊ, आजाद ढप्प मण्डली रतननगर, सुजानगढ ढप्प मण्डली, शिव भक्त रामगढ, आदि दलों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थानिय विधायक राजेन्द्र राठौड़, प्रभा खेतान फाउण्डेशन कोलकाता के संदीप भूतोड़िया, जिला पुलिस अधिक्षक संजीव कुमार नार्जरी ने प्रतियागिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सुभाष ढप्प मण्डली की टीम को 51सौ रूपये द्वितीय स्थान प्रप्त करने वाली शिवभक्त मण्डल रामगढ की टीम को 41 सौ

शेष पृष्ठ अन्तिम पर.......

पत्रकार संघ (जार) व प्रभा खेतान के तत्वावधान में आयोजित 20वां शेखावाटी महोत्सव का उद्‌घाटन करते डॉ. बी.डी.क

दैनिक समाचार, 10, मार्च, 2004

ल्ला पास में विधायक राजेन्द्र राठौड़ प्रेसफोटोः– महेन्द्र सोनी

राजस्थान पत्रकार संघ (जार) व प्रभा खेतान फाउण्डेशन, कोलकाता की अनूठी पेशकश

20वें शेखावाटी महोत्सव में लोक कलाओं का बेहतर प्रदर्शन

चूरू, 9 मार्च (नि.सं.) चंग की थाप, घुंघरुओं की झनकार व बांसुरी की सुरीली तान तालियों के बीच 20वां शेखावाटी महोत्सव यहां सोमवार रात्रि सम्पन्न हुआ। राजस्थान पत्रकार संघ (जार) चूरू व प्रभा खेतान फाउण्डेशन, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान एवं लोक कलाकार स्व. हरिप्रसाद [illegible] की स्मृति में आयोजित इस रंगारंग महोत्सव में शेखावाटी अंचल की बहुरंगी लोक संस्कृति सजीव एवं साकार हो उठी। लगभग दस हजार से अधिक दर्शकों ने चार घण्टे तक मनभावन फागुनी बयार के बीच होली के धमाल गीतों व चंग नर्तकों के मोह लेने वाले नृत्यों का आनंद लिया।

अंचल की लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु चंग नृत्य प्रतियोगिता के रूप में संजोये गये इस वृहद् आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता डॉ. बी.डी. कल्ला ने चंग बजाकर किया। अपने उद्बोधन में डॉ. कल्ला ने चूरू अंचल को सांस्कृतिक नगरी बताते हुए कहा कि मरु प्रदेश की लोक संस्कृति विश्व प्रसिद्ध है। यहां हर पर्व अवसर विशेष के अपने लोकगीत हैं और इन लोकगीतों का अपना सांस्कृतिक महत्व है।

चूरू। शेखावाटी महोत्सव-04 का उद्घाटन करते प्रतिपक्षी नेता डॉ. बी.डी.कल्ला व दायें नृत्य प्रस्तुत करती शंकर कैसेट्स की नृत्यांगना। फोटो : लोकदूत

कृष्ण डप मण्डली चूरू के चंग नृत्य से इस मनोहारी आयोजन का शुभारम्भ हुआ। युवा कलाकार राकेश सोनी ने 'सतरंगी फागणियों' लोकगीत पर नृत्य की मनमोहक अदाओं से प्रभावित किया। मरु प्रदेश विकास संस्थान के तत्वावधान में सुजानगढ़ की गिन्दड़ पार्टी ने लय तालबद्ध गिन्दड़ नृत्य की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शंकर कैसेट्स जयपुर की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। इस दल की कमला सपेरा ने सपेरा नृत्य में शारीरिक लोच व चक्रासन की मुद्राओं से दर्शकों को रोमांचित किया। कंचन डांगी ने लोकगीतों 'बन्ना रे बागां म झूला घ्याला', 'जुलमी धीरे बोल', 'लागी रै लागी तनै कुण की नजर लागी, होली में उडै रे गुलाल' की सरस प्रस्तुतियों के साथ मीनाक्षी डांगी के भावपूर्ण नृत्य की थिरकन पर जनसमूह भी थिरक उठा। गायन, वादन, नृत्य की समन्वित प्रस्तुतियों से सराबोर चंगप्रतियोगिता में कृष्ण डप मण्डली चूरू, बालाजी डप मण्डली चंगोई, सुभाष डप मण्डल रतननगर, करणपुरा डप मण्डली करणपुरा, रामलीला चौक कला मंच बिसाऊ, आजाद डप (शेष पृष्ठ 2 पर)

20वें शेखावाटी (शेष पृष्ठ 1 का)

मण्डली रतननगर, सुजानगढ़ डप मण्डली, शिवभक्त मण्डल रामगढ़ और रंगीलो राजस्थान मण्डली रामगढ़ के चंग दलों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थानीय विधायक राजेन्द्र सिंह राठौड़, प्रभा खेतान फाउण्डेशन कोलकाता के संदीप भूतोड़िया, जिला पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सुभाष डप मण्डल, रतननगर को इक्यावन सौ रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली शिवभक्त मण्डल रामगढ़ की टीम को इकतालीस सौ रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त कृष्ण डप मण्डली, चूरू को इकतीस सौ रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किया। इसी क्रम में चंग टीमों में से श्रेष्ठ गायक, श्रेष्ठ मेहरी, श्रेष्ठ चंग वादक व श्रेष्ठ बांसुरी वादक का भी चयन कर प्रत्येक को पांच सौ रुपये नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह अन्तर्गत आस-पास समाचार पत्र के झुंझुनूं ब्यूरो चीफ ओम स्वामी को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु राजस्थान पत्रकार संघ (जार) के आयोजन को प्रशंसनीय

चूरू लोकदूत, 10, मार्च, 2004

चूरू। जार द्वारा आयोजित शेखावाटी महोत्सव में चंग बजाते डॉ. बी.डी. कल्ला, राजेन्द्र राठौड़, सेन्द्र बुडानिया एवं संदीप भूतोड़िया। -छाया: कमल

शेखावाटी महोत्सव

साकार हो गई लोक संस्कृति

*** मनमोहक कार्यक्रमों ने धूम मचाई**

*** शंकर कैसेट ने थिरकने पर मजबूर किया**

चूरू,9 मार्च (नि.सं.)। ढप्प की थाप, घुंघरूओं की झनकार व बांसुरी की सुरीली स्वर लहरियों के बीच 20 वां शेखावाटी महोत्सव यहां सोमवार रात्रि सम्पन्न हुआ। राजस्थान पत्रकार संघ (जार) चूरू व प्रभा खेतान फाउण्डेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में एवं लोक कलाकार स्व. हरिप्रसाद ओझा की स्मृति में आयोजित इस रंगारंग महोत्सव में शेखावाटी अंचल की बहुरंगी लोक संस्कृति सजीव एवं साकार हो उठी। दस हजार से अधिक दर्शकों ने चार घंटे तक सुहानी फागुनी बयार के बीच होली के धमाल गीतों व चंग नर्तकों के मोह लेने वाले नृत्यों का आनंद लिया।

अंचल की लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु चंग नृत्य प्रतियोगिता के रूप में संजोये गए नृत्य आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता डॉ. बी.डी. कल्ला ने चंग बजाकर किया। अपने उद्बोधन में डॉ. कल्ला ने चूरू अंचल को सांस्कृतिक नगरी बताते हुए कहा कि मरू प्रदेश की लोक संस्कृति विश्व प्रसिद्ध है क्योंकि यहां हर पर्व अवसर विशेष के अपने लोकगीत हैं और इन लोक गीतों का अपना सांस्कृतिक महत्व है। कृष्ण ढप्प मण्डली चूरू के चंग नृत्य से इस मनोहारी आयोजन का शुभारम्भ हुआ। बाल कलाकार राकेश सोनी ने सतरंगी फागणियों लोकगीत पर नृत्य की मनमोहक अदाओं से प्रभावित किया। सुजानगढ़ गींदड़ पार्टी ने तालबद्ध गींदड़ नृत्य की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शंकर कैसेट्स जयपुर की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को थिरकने को मजबूर कर दिया। इस दल की कमला सपेरा ने सपेरा नृत्य में शारीरिक लोच व चक्रासन की मुद्राओं से दर्शकों को रोमांचित किया। कविता डांगी के लोकगीतों बन्ना रे बागा में झूला घाल्या, जुल्मी धीरे बोल, लागी रे लागी तनै कुण की नजर लागी, होली में उड़े रे गुलाल की प्रस्तुतियों के साथ मीनाक्षी डांगी के भावपूर्ण नृत्य की थिरकन पर जनसमूह भी थिरक उठा। गायन वादन नृत्य की समन्वित प्रस्तुतियों से सराबोर चंग प्रतियोगिता में कृष्ण ढप्प मण्डली चूरू, बालाजी ढप्प मण्डली चंगोई, सुभाष ढप्प मण्डल रतननगर, करणपुरा ढप्प मण्डली करणपुरा, रामलीला चौक कला मंच बिसाऊ, आजाद ढप्प मण्डली, (शेष अंदर)

आस पास, 10, मार्च, 2004

चूरू: इन्द्रमणी पार्क में शेखावाटी महोत्सव का चंग बजाकर उद्घाटन करते विपक्ष के नेता बी.डी. कल्ला व विधायक राजेंद्र राठौड़, तथा आकर्षक प्रस्तुतियां देते कलाकार।

चंग की थाप पर थिरके रसिये, सुर भी सजे

भास्कर न्यूज, चूरू, 9 मार्च।

राजस्थान पत्रकार संघ (जार) [illegible] फाउंडेशन के [illegible] में सोमवार को [illegible] पार्क में आयोजित शेखावाटी महोत्सव (चंग प्रतियोगिता) में अंचल के कलाकारों ने [illegible] प्रतियोगिता में भाग लिया। देर रात तक चले इस आयोजन में रसिये चंग की थाप पर थिरकते नजर आए।

समारोह में प्रतिपक्ष के नेता डा. बी.डी. कल्ला, पूर्व सांसद नरेंद्र बुडानिया, [illegible] फाउंडेशन के [illegible] संदीप भूपेंद्रिया व पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार नार्जरी विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता विधायक राजेंद्र राठौड़ ने की। चंग प्रतियोगिता के अलावा समारोह में शंकर कैसेट्स जयपुर, कमला सपेरा व लोक गायिका कंचन डांगी ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं। इससे पूर्व चंग प्रतियोगिता का उद्घाटन कल्ला ने चंग बजाकर किया। प्रतियोगिता में आसपास की नौ ढप मंडलियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान पर रही रतननगर की सुभाष ढप मंडली को 51 सौ, द्वितीय स्थान पर रही रामगढ़ शेखावाटी के शिवभक्त मंडल को 31 सौ व तृतीय स्थान पर रही चूरू की कृष्ण ढप मंडली को 21 सौ रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इनके अलावा चंग टीमों में श्रेष्ठ गायक, महरी, चंगवादन व बांसुरी वादन के लिए भी पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन नीरज वर्मा ने किया। समारोह में नगरपालिकाध्यक्ष [illegible] गौरीशंकर मंडावेवाला

- शेखावाटी महोत्सव में विविध आयोजन
- चंग प्रतियोगिता का उद्घाटन कल्ला ने किया

..शेष पृष्ठ 8 पर

शेखावाटी भास्कर, 10, मार्च, 2004

धमाल गीतों व चंग नृत्य पर झूमे दर्शक

शेखावाटी महोत्सव का समापन

चूरू, 10 मार्च। डफ की थाप, घुंघरुओं की झनकार व बांसुरी की सुरीली स्वर लहरियों के बीच बीसवां शेखावाटी महोत्सव यहां सोमवार रात सम्पन्न हुआ। राजस्थान पत्रकार संघ (जार) व प्रभा खेतान फाउण्डेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान एवं लोक कलाकार स्व. [illegible] ओझा की स्मृति में आयोजित इस महोत्सव में शेखावाटी अंचल की फागुनी लोक संस्कृति साकार हो उठी। दस हजार से अधिक दर्शकों ने चार घण्टे तक फागुनी बयार के बीच धमाल गीतों व चंग नर्तकों के मोह लेने वाले नृत्यों का आनन्द लिया।

अंचल की लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए चंग नृत्य प्रतियोगिता के रूप में संजोए गए कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि और विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता डॉ. बी.डी. कल्ला ने चंग बजाकर किया। इस अवसर पर डॉ. कल्ला ने चूरू को सांस्कृतिक नगरी बताते हुए कहा कि मरुप्रदेश की लोक संस्कृति विश्व प्रसिद्ध है। कृष्ण डफ मण्डली के नृत्य से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। बाल कलाकार राकेश सोनी ने 'पचरंग फागणियो' लोकगीत पर नृत्य की मनमोहक अदाओं से प्रभावित कियो। सुजानगढ़ की महदेश संस्थान की गिन्दड़ पार्टी ने लयबद्ध गिन्दड़ नृत्य की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शंकर कैसेट्स, जयपुर की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को थिरकने को मजबूर कर दिया। दल की कमला सपेरा ने कालबेलिया नृत्य में शारीरिक लोच व चक्रासन की मुद्राओं से दर्शकों को रोमांचित किया। कविता डांगी के लोकगीतों 'बन्ना रे बागा में झूला घाल्या', 'जुल्मी थारे बोल', 'लागी रे लागी तने कुण की निजर लागी', 'होळिया में उड़े रे गुलाल' की सरस प्रस्तुतियों के साथ मीनाक्षी डांगी के भावपूर्ण नृत्य पर दर्शक भी थिरक उठा। चंग प्रतियोगिता में कृष्ण मण्डली, चूरू, बालाजी डफ मण्डली, चंगोई, सुभाष डफ मण्डली, रतननगर, करणपुरा डफ मण्डली, करणपुरा, रामलीला चौक कला मंच, बिसाऊ, आजाद डफ मण्डली, रतननगर, सुजानगढ़ डफ मण्डली, शिव भक्त मण्डल, रामगढ़ और रंगीलो राजस्थान डफ मण्डली, रामगढ़ के दलों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थानीय विधायक राजेन्द्र राठौड़, प्रभा खेतान फाउण्डेशन कोलकाता के सन्दीप भूतोड़िया, पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार नर्जारी ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सुभाष डफ मण्डली को इक्यावन सौ रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली शिवभक्त मण्डल रामगढ़ की टीम को इकतालीस सौ और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली कृष्ण डफ मण्डली चूरू को इकतीस सौ रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया।

राजस्थान पत्रिका ,11, मार्च , 2004

स्वर लहरियों के बीच शेखावाटी महोत्सव संपन्न

चूरू (निप्र)। ढफ की थाप, घुंघरूओं की झन्कार व बांसुरी की सुरीली स्वर लहरियों के बीच 20वां शेखावाटी महोत्सव यहां संपन्न हुआ। राजस्थान पत्रकार संघ (जार) चूरू व प्रभा खेतान फाउंडेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान एवं लोक कलाकार स्व. हरिप्रसाद ओझा की स्मृति में आयोजित इस रंगारंग महोत्सव में शेखावाटी अंचल की बहुरंगी लोक संस्कृति सजीव एवं साकार हो उठी। दस हजार से अधिक दर्शकों ने चार घंटे तक सुहानी फागुनी बयार के बीच होली के धमाल गीतों व चंग नर्तकों के मोह लेने वाले नृत्यों का आनंद लिया।

अंचल की लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु चंग नृत्य प्रतियोगिता के रूप में सजाये गये आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता डॉ. बी.डी. कल्ला ने चंग बजाकर किया। अपने उद्बोधन में डॉ. कल्ला ने चूरू अंचल को सांस्कृतिक नगरी बताते हुए कहा कि मरु प्रदेश की लोक संस्कृति विश्व प्रसिद्ध है क्योंकि यहां हर पर्व अवसर ,विशेष के अपने लोकगीत है और इन लोकगीतों का अपना सांस्कृतिक महत्व है।

चूरू में जार एवं प्रभा खेतान फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 20वें शेखावाटी महोत्सव का उद्घाटन करते प्रतिपक्ष के नेता डॉ. बी डी कल्ला व विधायक राजेन्द्र राठौड़, पूर्व सांसद नरेन्द्र बुडानिया व प्रस्तुति देते कलाकार

कृष्ण ढफ मंडली चूरू के चंग नृत्य से इस मनोहारी आयोजन का शुभारंभ हुआ। बाल कलाकार राकेश सोनी ने सतरंगी फागणियो लोकगीत पर नृत्य की मनमोहक अदाओं से प्रभावित किया। सुजानगढ़ की मरूदेश संस्थान गींदड़ पार्टी ने लय तालबद्ध गींदड़ नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शंकर कैसेट्स जयपुर की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को थिरकने को मजबूर कर दिया। इस दल की कमला सपेरा ने सपेरा नृत्य में शारीरिक लोच व चक्रासन की मुद्राओं से दर्शकों को रोमांचित किया। कविता डांगी के लोकगीतों- म्हारा रे बागा में झूला घाला, जुल्मी धीरे बोल, लागी रे लागी तने कुण की नजर लागी, होली में उड़ा रे गुलाल की सरस प्रस्तुतियों के साथ मीनाक्षी डांगी के भावपूर्ण नृत्य की थिरकन पर जनसमूह भी थिरक उठा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थानीय विधायक राजेन्द्र सिंह राठौड़, प्रभा खेतान फाउंडेशन कोलकाता के संदीप भुतोड़िया, जिला पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार नार्जारी ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सुभाष ढफ मंडल रतनगढ़ को इक्यावन सौ रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त कृष्ण ढफ मंडली चूरू को इकत्तीस सौ रूपयें और तृतीय स्थान प्राप्त ढफ मंडली चूरू को इकत्तीस सौ रूपये नगद पुरस्कार प्रदान किया।

कार्यक्रम में जार के जिलाध्यक्ष नेरन्द्र ने मुख्य अतिथि डॉ. कल्ला, अध्यक्ष राठौड़, स्वागताध्यक्ष मंडावेवाला, भुतोड़िया, संचालक गौरव वर्मा को जार के स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

दैनिक युगपक्ष , 11, मार्च , 2004

जार एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित शेखावटी महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर लिए गिए चित्र में राजस्थान के भाजपा उपाध्यक्ष विधायक राजेन्द्र सिंह राठौर, खेल मंत्री यूनुस खान, फाउंडेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया, विपक्ष के नेता विधायक बी. डी. कल्ला, पूर्व सांसद नरेन्द्र बुडानिया एवं चुरू के जिला पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ढप बजाते हुए परिलक्षित है। विश्वमित्र चित्र

शेखावाटी महोत्सव में लोक कलाओं का बेहतर प्रदर्शन

चुरू, १३ मार्च (नि.सं.)। चंग की थाप, घुंघरूओं की झनकार व बांसुरी की सुरीली स्वर लहरियों के बीच २०वां शेखावटी महोत्सव यहां सोमवार रात्रि संपन्न हुआ। राजस्थान पत्रकार संघ (जार) चुरू व प्रभा खेतान फाउंडेशन, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान एवं लोक कलाकार स्व. हरिप्रसाद ओझा की स्मृति में आयोजित इस रंगारंग महोत्सव में शेखावटी अंचल की बहुरंगी लोक संस्कृति सजीव एवं मुखर हो उठी। इस वृहद आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता डॉ. बी. डी. कल्ला ने चंग बजाकर किया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, राज्य के खेल मंत्री यूनुस खान, प्रभा खेतान फाउंडेशन के न्यासी श्री संदीप भूतोड़िया, पूर्व सांसद नरेन्द्र बुडानिया व चुरू के जिला अधीक्षक संजीव कुमार आदि उपस्थित थे। अतिथियों ने श्री भूतोड़िया के विचारों पर सहमति प्रकट करते हुए कहा कि होली तो साल भर में एक बार आती है किन्तु इस प्रकार के आयोजन बार-बार होने चाहिए जिससे लोग अपनी लोक कला संस्कृति से जुड़े रह सकें।

दैनिक विश्वमित्र , 14, मार्च , 2004

नारी चेतना से ही साहित्य सार्वभौमिक : प्रभा

पुरुषोत्तम तिवारी

कोलकाता : दूसरे सत्र के स्त्री विमर्श संगोष्ठी में *हिंदी कथा साहित्य में नारी चेतना का उन्मेष* विषय पर बीज भाषण देते हुए डॉ प्रभा खेतान ने कहा कि हमें नहीं भूलना चाहिए कि हम भूमंडलीकरण के युग में हैं. आज बाजार की भाषा अंग्रेजी है. नारी चेतना को भी बाजार ने हड़प लिया है. बाजार नारी को उपभोक्ता के रूप में रेखांकित करता है. डॉ खेतान के मुताबिक साहित्य में नारी चेतना की मौजूदगी थी, लेकिन मुक्ति चेतना का अभाव है. वर्ष 1960 के बाद ही नारी चेतना को सही रूप में प्रस्तुत किया गया. नारी चेतना ने ही साहित्य को सार्वभौमिक बनाया. इसके पहले साहित्य नारी को दूसरे रूप में ही देखता रहा है. साहित्य जगत में पुरुष, आलोचक व संपादक स्त्री से पूछता है कि तुम इस विषय में लिखने में समर्थ हो. साहित्य में पुरुषों का आधिपत्य शुरू से रहा है. स्त्री विरोधी बातें शास्त्रों में भी हैं. मृणाल पांडे लिखती हैं कि स्त्री के लेखन पर आज फतवा जारी करने का अधिकार भी पुरुषों को है. क्या कभी स्त्री के बारे में पुरुषों की दृष्टि उदार होगी. हर जगह निर्णय करने का अधिकार पुरुषों के पास ही है. पुरुष अपनी महानता को शब्द जाल से गढ़ता है. साहित्य में ज्यादा पुरुष साहित्यकारों का ही मूल्यांकन हुआ है. महिलाओं का कम हुआ है. विदेशी भाषाओं में भी नारी लेखन का मूल्यांकन कम हुआ है. स्त्री लेखन को अपनी अलग पहचान बना कर समानांतर रूप में कार्य करना चाहिए. लेकिन इसकी सफलता कहां तक जायेगी, यह कह नहीं सकती. आज तो आलम यह है कि स्त्री लेखन की पूरी सूची भी उपलब्ध नहीं है. आज स्त्री को अपने जीवन मूल्य बोध के प्रति जागरूक होना चाहिए. उन्होंने कहा कि उनके मन में व्यक्ति के प्रति नहीं, व्यवस्था के प्रति आक्रोश है.

परिचर्चा में निर्मला अग्रवाल, ममता कालिया आदि ने भी हिस्सा लिया.

प्रभात खबर , 15, मार्च , 2004

प्रवासी राजस्थानी जनहित कार्यों से जुड़ें: खुराना

जयपुर, १४ मार्च (नि.प्र.)। कोलकाता में राजस्थान के प्रवासी बहुतायत में हैं। राजस्थान के विकास में इनका योगदान सदा रहा है। प्रवासी राजस्थानीयों को प्रदेश के गरीब जनता के सेवार्थ कार्यक्रम में अपनी सहभागिता बढ़ानी चाहिए- ये विचार राजस्थान के राज्यपाल महामहिम मदनलाल खुराना ने अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष सन्दीप भूतोड़िया से राजभवन, जयपुर में शिष्टाचार भेंट के दौरान व्यक्त किये। श्री खुराना को भूतोड़िया ने उनके द्वारा स्थापित गरीब सहायता कोष के विस्तृत जानकारी दी एवं उस कोष की सहायतार्थ आयोजित होने वाले आशाराम बापू के प्रवचन, गजल संध्या व काव्य सम्मेलन की योजना से भी अवगत कराया। इस भेंट के दौरान नव गठित सहायता कोष एवं आशाराम बापू

प्रभा खेतान फाउंडेशन के न्यासी युवा अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष श्री संदीप भूतोड़िया राजस्थान के राज्यपाल श्री मदनलाल खुराना से विचार विमर्श करते हुए।

आयोजन समिति के महासचिव व प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष श्री चन्द्रराज सिंघवी भी उपस्थित थे। अपनी त्रिदिवसीय जयपुर यात्रा के दौरान युवा समाजसेवी सन्दीप भूतोड़िया ने राज्यपाल के अलावा मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे सिन्धिया, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विपक्ष के नेता बुलाकी दास कल्ला, शिक्षा मंत्री घनश्याम तिवाड़ी, खेलमंत्री युनस खां, भाजपा उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठोड़ एवं अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार भेंट की एवं विभिन्न विषयों पर चर्चा की। श्री भूतोड़िया ने राज्यपाल खुराना को कोलकाता आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

दैनिक विश्वमित्र , 15, मार्च , 2004

प्रवासी राजस्थानी जनहित के कार्यों से जुड़ें : खुराना

राज्यपाल श्री खुराना से बातचीत करते संदीप भूतोड़िया

जयपुर : कोलकाता में राजस्थान के प्रवासी बहुतायत में हैं. राजस्थान के विकास में उनका योगदान सदा रहा है. प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान की गरीब जनता के सेवार्थ कार्यक्रम में अपनी सहभागिता बढ़ानी चाहिए. ये विचार राजस्थान के राज्यपाल मदनलाल खुराना के हैं. श्री खुराना ने अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया से जयपुर स्थित राजभवन में शिष्टाचार भेंट के ये बातें कहीं. श्री खुराना ने भूतोड़िया ने को उनके द्वारा स्थापित गरीब सहायता कोष की विस्तृत जानकारी दी. उक्त कोष के सहायतार्थ होनेवाले आसाराम बापू के प्रवचन, गजल संध्या व काव्य सम्मेलन की योजना से भी अवगत कराया. इस भेंट के दौरान नवगठित सहायता कोष एवं आसाराम बापू आयोजन समिति के महासचिव व प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष श्रीचंद राज सिंघवी भी उपस्थित थे. अपने तीनदिवसीय जयपुर यात्रा के दौरान युवा समाजसेवी संदीप भूतोड़िया ने राज्यपाल के अलावा मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भाजपा उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, शिक्षा मंत्री घनश्याम तिवाड़ी, खेल मंत्री युनूस खां व अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार भेंटकी. इनलोगों से श्री भूतोड़िया ने विभिन्न विषयों पर चरचा की. श्री भूतोड़िया ने राज्यपाल खुराना को कोलकाता आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया.

प्रभात खबर, 15, मार्च, 2004

प्रवासी राजस्थानी जनहित के कार्यों से जुड़े : खुराना

राज्यपाल श्री खुराना से बातचीत करते संदीप भूतोड़िया

जयपुर। कोलकाता में राजस्थान के प्रवासी बहुतायत में हैं। राजस्थान के विकास में उनका योगदान सदा रहा है। प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान की गरीब जनता के सेवार्थ कार्यक्रम में अपनी सहभागिता बढ़ानी चाहिए, ये विचार राजस्थान के राज्यपाल मदनलाल खुराना के हैं। श्री खुराना ने अन्तरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया से जयपुर स्थित राजभवन में शिष्टाचार भेंट में ये बातें कहीं। श्री खुराना ने भूतोड़िया को उनके द्वारा स्थापित गरीब सहायता कोष की विस्तृत जानकारी दी। उक्त कोष के सहायतार्थ होने वाले आसाराम बापू के प्रवचन, गजल संध्या व काव्य सम्मेलन की योजना से भी अवगत कराया। इस भेंट के दौरान नवगठित सहायता कोष एवं आसाराम बापू आयोजन समिति के महासचिव व प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष श्रीचंद राज सिंघवी भी उपस्थित थे। अपने तीन दिवसीय जयपुर यात्रा के दौरान युवा समाजसेवी संदीप भूतोड़िया ने राज्यपाल के अलावा मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भाजपा उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, शिक्षा मंत्री घनश्याम तिवाड़ी, खेलमंत्री युनूस खां व अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार भेंट की। इन लोगों से श्री भूतोड़िया ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। श्री भूतोड़िया ने राज्यपाल खुराना को कोलकाता आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

सन्मार्ग, 16, मार्च, 2004

मंगलवार की शाम ओमेगा एलिवेटर द्वारा आयोजित एक सेमिनार में बायें से केएम देसाई, त्रिलोकचंद डागा, संपतमल बच्छावत, देवेंद्र कुमार दूगड़, तपन सिकदर सुभाष चक्रवर्ती, सुंदरलाल दूगड़, प्रदीप चोपड़ाीप भूतोड़िया. तसवीरें अदिति शाहा कीं.

प्रभात खबर ,25, मार्च , 2004

श्री मनसापूरण गवरजा माता मण्डली द्वारा आयोजित २७वें वार्षिकोत्सव में भाषण देते हुए युवा उद्योगपति श्री सन्दीप भुतोड़िया (पगड़ी पहने) साथ में स्मारिका लोकार्पण करते हुए जैन गौरव एवं सुप्रभात मीडिया चेयरमैन श्री तिलोक चन्द डागा, संस्था अध्यक्ष श्री रामगोपाल धानवी एवं समाजसेवी श्री सुशील ओझा।

सन्मार्ग ,26, मार्च , 2004

भूतोड़िया संयुक्त राष्ट्र में युवा विभाग के प्रभारी बने

कोलकाता, 27 मार्च : युवा समाजसेवी संदीप भूतोड़िया आज जिनेवा के वहना की 185वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में युवा विभाग के प्रभारी बनाये गये. संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय पलादा दी नेशन में आयोजित समिति की बैठक में श्री भूतोड़िया के नाम का प्रस्ताव इसराइल ने किया, जिसका समर्थन लेबनान, रूस, सूडान, ऑस्ट्रेलिया, चीन आदि देशों ने किया. भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे पूर्व विदेश मंत्री राम निवास मिर्धा ने उनके मनोनयन पर खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि विश्व युवा मामलों में श्री भूतोड़िया की पकड़ एवं युवा सम्मेलनों में उनकी लगातार सफलता, उनके चुने जाने में प्रमुख भूमिका रही. श्री भूतोड़िया को संपूर्ण विश्व की युवा संस्थाओं से संपर्क कर एक समान कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है. छह माह बाद वह अपनी रिपोर्ट न्यूयार्क में होनेवाली कार्यसमिति की बैठक में प्रस्तुत करेंगे. कार्यसमिति ने श्री भूतोड़िया को उनके न्यूयार्क कार्यालय से हरसंभव सहायता देने का आश्वास भी दिया है. यह जानकारी श्री भूतोड़िया ने जिनेवा से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी.

प्रभात खबर ,28, मार्च , 2004

संदीप भूतोड़िया बफूना युवा विभाग के प्रभारी बने

जिनेवा (स्विटजरलैंड), २७ मार्च। सुपरिचित युवा सामाजिक कार्यकर्ता संदीप भूतोड़िया आज यहां बफूना की १८५वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में युवा विभाग के प्रभारी निर्वाचित कर लिए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय 'पलादा दी नेशन' में आयोजित समिति की बैठक में श्री भूतोड़िया के नाम का प्रस्ताव इसरायल ने किया जिसका समर्थन लेबनान, रूस, सूडान, आस्ट्रेलिया, चीन आदि देशों ने किया। भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे पूर्व विदेश मंत्री राम निवास मिर्धा ने उनके मनोनयन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि विश्व युवा मामलों में भूतोड़िया की पकड़ एवं युवा सम्मेलनों में उनकी लगातार सफलता उनके चुने जाने में प्रमुख भूमिका रही। श्री भूतोड़िया को सम्पूर्ण विश्व की युवा संस्थाओं से सम्पर्क कर एक समान कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है। ६ महीने बाद वो अपनी रिपोर्ट न्यूयार्क में होने वाली अगली कार्यसमिति की बैठक में प्रस्तुत करेंगे। कार्यसमिति ने भूतोड़िया को न्यूयार्क कार्यालय से हर संभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया है।

दैनिक विश्वमित्र ,28, मार्च , 2004

संदीप भूतोड़िया बफूना युवा विभाग के प्रभारी

जिनेवा (स्विटजरलैंड), 28 मार्च। युवा सामाजिक कार्यकर्त्ता संदीप भूतोड़िया आज यहां बफूना की 185वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में युवा विभाग के प्रभारी निर्वाचित कर लिए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय 'पालदा दी नेशन' में आयोजित समिति की बैठक में श्री भूतोड़िया के नाम का प्रस्ताव इसरायल ने किया जिसका समर्थन लेबनान, रूस, सूडान, आस्ट्रेलिया, चीन आदि देशों ने किया। भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे पूर्व विदेश मंत्री राम निवास मिर्धा ने उनके मनोनयन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि विश्व युवा मामलों में भूतोड़िया की पकड़ एवं युवा सम्मेलनों में उनकी लगातार सफलता उनके चुने जाने में प्रमुख भूमिका रही। श्री भूतोड़िया को सम्पूर्ण विश्व की युवा संस्थाओं से सम्पर्क कर एक समान कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है। 6 महीने बाद वो अपनी रिपोर्ट न्यूयार्क में होने वाली अगली कार्य समिति की बैठक में प्रस्तुत करेंगे। कार्य समिति ने भूतोड़िया को न्यूयार्क कार्यालय से हर संभव सहायता देने का आश्वसन दिया है।

छपते छपते, 29, मार्च, 2004

संदीप भूतोड़िया बफूना युवा विभाग के प्रभारी बने

जिनेवा (स्वीट्जरलैण्ड), २९ मार्च। युवा समाजसेवी संदीप भूतोड़िया आज जिनेवा के बफूना की १८५वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में युवा विभाग के प्रभारी निर्वाचित हुए। संयुक्तराष्ट्र के मुख्यालय पलादा दी नेरान में आयोजित समिति की बैठक में श्री भूतोड़िया के नाम का प्रस्ताव इस्राइल ने किया जिसका समर्थन लैबनान, रूस, सूडान, ऑस्ट्रेलिया, चीन आदि देशों ने किया। भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे युवा विदेश मंत्री रामनिवास मिर्धा ने उनके मनोनयन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि विश्व युवा मामलों में श्री भूतोड़िया की पकड़ एवं युवा सम्मेलनों में उनकी लगातार सफलता, उनके चुने जाने में प्रमुख भूमिका रही। श्री भूतोड़िया को सम्पूर्ण विश्व की युवा संस्थाओं से सम्पर्क कर एक समान कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है। छह माह बाद वह अपनी रिपोर्ट न्यूयार्क में होनेवाली कार्यसमिति की बैठक में प्रस्तुत करेंगे। कार्य समिति ने श्री भूतोड़िया को उनके न्यूयार्क कार्यालय से हरसंभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया है।

सन्मार्ग , 30 , मार्च , 2004

प्रभा खेतान फाउंडेशन की ओर से उद्यमिता विकास पर आयोजित परिचर्चा में उद्योगपतियों की राय

सफल उद्यमी बनने के लिए साहस और आत्मविश्वास आवश्यक

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक अथक सार्थक परिसंवाद गोष्ठी *उद्यमशीलता व विकास* के अवसर पर उपस्थित युवा उद्योगपति त्रय संजीव गोयनका, हर्ष नेवटिया, शिशिर बाजोरिया एवं प्रबंध न्यासी, लेखिका व उद्योगपति डॉ प्रभा खेतान, संयोजक संचालक *एक नजरटीवी* न्यूज के प्रमुख संपादक दिनेश बजाज व ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया अन्य गणमान्य व्यक्ति.

कोलकाता, 30 जनवरी : प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में विशिष्ट व्यक्तियों से आम जन साधारण से सीधी बात के क्रम में आज ग्रेट इस्टर्न होटल के रजनीगंधा सभागार में उद्यमशीलता व विकास पर एक परिसंवाद का आयोजन किया गया. इस परिसंवाद में कोलकाता के तीन चर्चित युवा उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया. इसमें अंबुजा सीमेंट के हर्षवर्द्धन नेवटिया, आरपीजी के संजीव गोयनका व जूट उद्योग से जुड़े शिशिर बाजोरिया ने मौजूदा परिस्थिति में बदलते समीकरणों के बीच आत्मविश्वास के साथ उद्योग स्थापित करने का आह्वान किया. इन सभी वक्ताओं ने अपने-अपने अनुभवों से लोगों को रूबरू कराया. अपने अध्यक्षीय प्रतिवेदन में फाउंडेशन की मुख्य न्यासी डॉ प्रभा खेतान ने कहा कि आयोजन का मकसद युवा उद्योगपतियों के अनुभवों को जनता के बीच ले जाना है. कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन संयोजक दिनेश बजाज ने किया. प्रश्नोत्तरी सत्र का संचालन युवा उद्योगपति व ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया व डॉ प्रभा खेतान ने किया. इस अवसर पर रूसी मोदी, *प्रभात खबर* के संपादक ओमप्रकाश 'अश्क', सीताराम शर्मा, तिलोकचंद डागा, भानीराम सुरेका, गीतेश शर्मा राजकुमार बोथरा, राजकुमार शर्मा, चंद्रकांत सराफ, संजय हरलालका, राजेश चिरानी सहित अन्य उपस्थित रहे.

रचनात्मकता की कमी नहीं : संजीव

आरपीजी इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष संजीव गोयनका ने कहा कि औद्योगिकता क्या है, इस पर किसका हक है. पूंजीपतियों का या आम जनता का. यह सवाल अक्सर लोगों के दिमाग में आता है. दरअसल औद्योगिकता की कोई सीमा रेखा नहीं होती है. यह एक विचार हो सकती है. एक सपना हो सकती है. यह सपना कारखाना चलानेवाले से लेकर चायवाले तक का हो सकता है. कॉफी हाउस की जब शुरुआत हुई थी, तब उसकी सफलता पर संदेह था, लेकिन आज यह दुनिया का सबसे फलता-फूलता कारोबार बन गया है. काफी लोगों के जीवन का हिस्सा बन गयी है. इसी को औद्योगिकता कहा जा सकता है. नये विचार का प्रचार ही औद्योगिकता है. औद्योगिकता के लिए आवश्यक है साहस, लगन, आत्मविश्वास व नेतृत्व. इसके लिए जरूरी है एक विचार, थोड़ी पूंजी, बहुत सारा लगन और आत्मविश्वास. ये जब होंगे तो औद्योगिकता स्वतः बढ़ती चली जायेगी. हमारे यहां रचनात्मकता की कमी नहीं है, कमी है तो केवल विश्वास की, खुद पर भरोसा करने की. जिस दिन हम इस पर काबू कर लेंगे, इसका विकास हो जायेगा.

बदलाव ही अब स्थायी है : शिशिर

जूट उद्योग से जुड़े शिशिर बाजोरिया ने कहा कि दुनिया आज तेज रफ्तार से बदल रही है. स्थायी केवल एक ही चीज है बदलाव. हमेशा चीजें बदलती रहती हैं. जो आज है, वह कल नहीं है, जो कल थी, वह आज नहीं है. परिवर्तन के साथ कदम मिलाना ही औद्योगिकता है. समय के साथ बदलाव जरूरी है. इससे अनुभव भी प्राप्त किया जा सकता है. अपने अनुभव को सुनाते हुए कहा कि मैं जूट में था, फिर रिफैक्टिव में गया, जो स्टील में लगता है. लेकिन स्टील प्लांट के बारे में मुझे कुछ भी जानकारी नहीं थी, लेकिन समय के साथ सब कुछ सीखा. समय की प्रासंगिकता को दर्शाते हुए बताया कि दुनिया टाइप राइटर से कंप्यूटर युग में प्रवेश कर गयी है. जो पुराने रंग में थे, उनका कारोबार बंद होना लाजिमी था. आदमी को हमेशा सोचना चाहिए कि जीवन में क्या जरूरी है. वही जीवन में आगे बढ़ेगा, जिसमें मेहनत व आत्मविश्वास होगा. व्यापार जगत से जुड़े लोगों का वर्गीकरण गलत है. आज के बदलते तकनीक में कोई विषय चुनें और मेहनत से उसे आगे बढ़ायें.

निर्णय लेने की क्षमता जरूरी : हर्ष

हमने जितने भी सफल लोगों की जीवन कथाएं पढ़ी हैं, उनके विशेषताओं में एक समानता पायी है. औद्योगिकता को हम पूरी तरह से नहीं सीख पायेंगे. इसमें नव विचार उभरते रहते हैं. लेकिन कुछ मूल तत्व हैं, जो सदाबहार होते हैं. उद्यमी सपनों का सौदागर होता है. हर सपने के पीछे दृढ़ विश्वास होना चाहिए. यदि कोई हतोत्साहित करे तो इससे निराश भी नहीं होना चाहिए. हर एक में जोखिम उठाने की क्षमता होनी चाहिए. इसके साथ विश्वास होना चाहिए. कोलंबस इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं. उन्होंने जोखिम उठा कर बिना साधन के ही अमेरिका जैसे देश की खोज की. ग्राहम बेल और राइट बंधुओं को भी इस क्रम में रखा जा सकता है. हर उद्यमशील पुरुष के जीवन में अवसर आते हैं, लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं होता है. जरूरी यह है कि उसके मन में एक तैयारी होनी चाहिए, ताकि मौका आये तो उसका लाभ उठा सके. किसी भी काम की सफलता में कल्पनाशीलता व निर्णय लेने की क्षमता का होना बहुत जरूरी होता है. आदमी को हमेशा ही सोचना चाहिए कि बेहतर क्या हो सकता है.

प्रभात खबर 31, मार्च 2004

भगवान महावीर की जयंती पर म

संवाददाता

कोलकाता, 3 अप्रैल : राष्ट्र का निर्माण संस्कार और प्यार से होता है. भारत की विशिष्टता है कि यहां अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया. अपने जीवन दर्शन से उन्होंने विश्व को एक नयी दिशा दी. मानवता का पाठ पढ़ाया. जीवन जीने की सीख दी. वृक्षों और पत्तों में प्राण है, इसे बताया है. करुणा, दया, शांति और पुरुषार्थ से चरित्र को गढ़ना सिखाया है. आज भगवान महावीर की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने की जरूरत है. ये बातें पश्चिम बंगाल के राज्यपाल वीरेन जे शाह ने जैन संस्कृति संसद कोलकाता द्वारा राजभवन में आयोजित भगवान महावीर जयंती में कहीं. समारोह की अध्यक्षता जैन विश्वभारती लाडनूं के अध्यक्ष सुखमल दूगड़ ने की. प्रधान अतिथि फ्रांस के कौंसुल व उद्योगपति महेंद्र कुमार जालान ने कहा कि हम भगवान से प्रार्थना करें कि वह हमें सत्य और अहिंसा पर चलने की शक्ति दें. सम्मानित अतिथि व उद्योगपति शिशिर कुमार बाजोरिया ने कहा कि शीतयुद्ध के बाद दुनिया ने समझा कि अब तनाव घटेगा पर नये रूप में आये आतंकवाद, उग्रवाद, कट्टरवादिता ने विश्व को दहशत में डाल दिया है. ऐसे संकट की घड़ी में महावीर की शिक्षा ही विश्व को तनाव मुक्त रख सकती है.

राजभवन में महावीर जयंती समारोह में (बायें से) संदीप भूतोड़िया, तिलोकचंद डागा, महेंद्र कुमार [illegible]

समाजसेवी श्रीचंद नाहटा ने कहा कि जीवन में पुरुषार्थ को बढ़ा कर व शांति लाकर चरित्रवान राष्ट्र की कल्पना कर सकते हैं. श्रमणी लोकप्रज्ञा ने कहा कि महावीर ने विश्व को ऐसा अंजन दिया है, जिससे सारी समस्याएं दूर होती हैं. आनंदलोक के सचिव डीके सराफ ने घोषणा करवायी की कि प्रतिवर्ष जैन संस्कृति संसद द्वारा अनुमोदित गरीब लोगों की मुफ्त में बाइपास सर्जरी आनंदलोक में होगी. इस अवसर पर सुंदरलाल दूगड़, पत्रकार खुशबू जैन व माणक चंद सेठिया ने विचार रखे. सूरज पाटनी, पूनमचंद दूगड़ ने राज्यपाल को स्मृति चिह्न भेंट किया. कार्यक्रम का संचालन सूरज बरड़िया, स्वागत भाषण युवा उद्योगपति संदीप भूतोड़िया और धन्यवाद ज्ञापन जैन संस्कृति के अध्यक्ष तिलोकचंद डागा ने किया. सांस्कृतिक कार्यक्रम पुष्पा बनर्जी ने प्रस्तुत किया. इस अवसर पर सरदारमल कांकरिया, सुरेंद्र कुमार बाठिया, कृष्णगोपाल सिन्हा, लक्ष्मीकांत तिवारी, केवलचंद मिमाणी, दीपचंद नाहटा, अनिल कुमार रामपुरिया, संतोष कुमार रामपुरिया, देवचंद दूगड़, धर्मचंद राखेचा, सुरेंद्र दूगड़, पुरुषोत्तम दास खेतान, जगमोहन बागला, प्रकाशचंद डागा, विनोद कुमार कांकरिया, पन्नालाल बोथरा, पदमचंद नाहटा, चंपादेवी कोठारी, तारादेवी सुराणा, ज्योति कोठारी, प्रशांत दूगड़, रिखबदास भंसाली, सुशील कोठारी, संपतमल बच्छावत सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे.

भगवान महावीर की 2603वीं जयंती कोलकाता में धूमधाम के साथ मनायी गयी. इस अवसर पर महानगर

प्रभात खबर,4, अप्रैल , 2004

61A